किफायती दरों में अपना विज्ञापन प्रकाशित करें और अपने व्यापार को और ऊंचाईयों पर ले जाएं।
संपर्क करें:
7018631199

www.himalayanupdate.com 7018631199 साप्ताहिक समाचार पत्र Postal Regd no: HP/128/SML/ 2023-25

आपकी आवाज़

हिमालयन अपडेट

RNI-HPHIN/2017/73579

7018631199 सोमवार 24 जून से 30 जून 2024 वर्ष: 08 अंक: 12 पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रू. शिमला से प्रकाशित himalayanupdate@gmail.com

अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में हमें लिखें।
himalayanupdate@gmail.com

बांग्लादेश-भारत के रिश्ते हुए मजबूत: मोदी

ई मेडिकल वीजा और गंगा जल संधि के नवीनीकरण पर विचार

नई दिल्ली/हिमालयन अपडेट

भारत और बांग्लादेश के बीच आज विभिन्न क्षेत्रों में 10 करार हुए और कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। भारत बांग्लादेश के नागरिकों को इलाज के लिए ई-वीजा की सुविधा प्रदान करेगा। गंगा जल संधि के नवीनीकरण पर चर्चा के लिए संयुक्त तकनीकी समिति भी बनाई गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के बीच शनिवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इस वार्ता में विकास, साझेदारी, ऊर्जा, जल संसाधन, व्यापार, रक्षा सहयोग और द्विपक्षीय सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए 13 घोषणाएं की गई हैं।राजशाही और कोलकाता के बीच नई ट्रेन तथा चटगांव और कोलकाता के बीच नई बस सेवा की शुरूआत की जाएगी। बांग्लादेश इंडो-पैसिफिक महासागर पहल में शामिल हो गया है।

यूपीआई के लॉन्च के लिए एनपीसीआई और बांग्लादेश बैंक के बीच वाणिज्यिक समझौता होगा। घोषणाओं में बांग्लादेश के रंगपुर में भारत का नया सहायक उच्चायोग स्थापित किया जाना, गेडे-दर्शना और हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी के बीच दलगांव तक मालगाड़ी सेवाओं की शुरूआत, अनुदान सहायता के तहत सिराजगंज में अंतदेर्शीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) का निर्माण और भारतीय ग्रिड के माध्यम से नेपाल से बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली का निर्यात शुरू करना शामिल है। इसके अलावा बांग्लादेश के अंदर तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन पर परियोजना के लिए तकनीकी प्रतिनिधिमंडल का बांग्लादेश दौरा होगा।

बांग्लादेशी पुलिस अधिकारियों के लिए 350 प्रशिक्षण स्लॉट होंगे। चिकित्सा रोगियों के लिए मुक्तिजोद्धा योजना (प्रति रोगी 8 लाख की ऊपरी सीमा) होगी।

बांग्लादेश-भारत की पड़ोसी पहले नीति के संगम पर स्थित है : मोदी

नई दिल्ली/हिमालयन अपडेट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बांग्लादेश भारत की पड़ोसी पहले नीति, एक्ट ईस्ट पॉलिसी, विजन सागर और इंडो-पैसिफिक विजन के संगम पर स्थित है। नई दिल्ली में अपनी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैसे तो पिछले एक साल में हम 10 बार मिल चुके हैं, लेकिन आज की मुलाकात खास है क्योंकि

प्रधानमंत्री शेख हसीना हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हमारी पहली राजकीय अतिथि हैं। मोदी ने दोनों देशों के संबंधों और पिछले एक वर्ष में की गई पहलों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल की वार्ता के बाद पत्रकार वार्ता में विदेश मंत्रालय के सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने बताया कि दोनों नेता भविष्य में बेहतर कनेक्टिविटी, वाणिज्य और साझा संभावनाओं से जुड़े सहयोग के लिए भारत-बांग्लादेश साझा दृष्टिकोण पर संयुक्त रूप से सहमत हुए हैं।

यह विजन दस्तावेज हमारे संबंधित राष्ट्रीय विकास दृष्टिकोण विकसित भारत 2047 और स्मार्ट बांग्लादेश के 2041 के दृष्टिकोण को साकार करना चाहता है।

उन्होंने बताया कि भारत एशिया में बांग्लादेशी उत्पादों के लिए सबसे बड़ा बाजार है। उम्मीद है कि सीईपीए वार्ता जल्द शुरू होगी और नए सीमा हाट भी खुलेंगे। मत्स्य पालन और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आज दो अलग-अलग समझौता ज्ञापन हुए हैं। दोनों देशों के बीच कुल 10 समझौते हुए हैं। दोनों नेता आतंकवाद के खात्मे, कट्टरवाद-विरोधी और लंबी भूमि सीमा के शांतिपूर्ण प्रबंधन पर बातचीत तेज करने पर भी सहमत हुए हैं।

क्वात्रा ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के सामने साझा नदियाँ और उनका उपयुक्त प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि के नवीनीकरण के लिए चर्चा शुरू करने के लिए एक संयुक्त तकनीकी समिति का गठन किया गया है। इस पर जल्द ही तकनीकी चर्चा शुरू होगी। हम उपयुक्त भारतीय सहायता से बांग्लादेश के अंदर तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन का कार्य भी करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में ई-मेडिकल वीजा की बात कही थी। इस पर विदेश सचिव ने कहा कि हम जल्द ही बांग्लादेश से भारत के लिए मेडिकल वीजा को ई-मेडिकल वीजा श्रेणी में डाल देंगे, जिससे बहुत बांग्लादेशी मरीजों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया।

सीतारमण के साथ बैठक में राज्यों के वित्त मंत्री ने रखी विशेष मांग

नई दिल्ली/हिमालयन अपडेट

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को केंद्रीय बजट 2024-25 के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की। इस बैठक में राज्यों के वित्त मंत्रियों ने अपने-अपने राज्य की मांग के मद्देनेजर सीतारमण से विशेष मांग भी की। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में नई दिल्ली में बजट पूर्व परामर्श

बैठक की। सीतारमण की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों से आगामी बजट को लेकर सुझाव मांगे गए। केंद्रीय वित्त मंत्री ने सभी प्रतिनिधियों को उनके इनपुट और सुझावों के लिए धन्यवाद दिया। सीतारमण ने उन्हें केंद्रीय बजट 2024-25 की तैयारी के दौरान केंद्र सरकार द्वारा उचित विचार करने का आश्वासन दिया। मंत्रालय के मुताबिक निर्मला सीतारमण के साथ हुई इस बैठक में अधिकांश राज्यों के वित्त मंत्रियों ने केंद्र सरकार की 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना' की सराहना की। वहीं, कई वित्त मंत्रियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री से इस योजना में और सुधार के लिए कुछ सुझाव भी दिए। बैठक में राज्यों के वित्त मंत्रियों ने अपने अपने राज्य की मांग को ध्यान रखते हुए विशेष डिमांड भी की।

आतिशी के सत्याग्रह पर भाजपा ने उठाए सवाल

नई दिल्ली/हिमालयन अपडेट

दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच पिछले कुछ दिनों से जारी पानी संकट के मुद्दे पर जल मंत्री आतिशी की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल दूसरे दिन भी जारी है। आतिशी के इस सत्याग्रह पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं।

दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने धरना स्थल का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर दावा किया है कि आतिशी का अनशन सिर्फ दिखावा है। रात 11 बजे से सुबह साढ़े 10 तक मंच पर एक भी शख्स नहीं दिखा। कपूर का कहना है कि दिल्ली सरकार अपनी नाकामियों को छिपा रही है। उनका कहना है, "मैंने कई विरोध प्रदर्शन और सत्याग्रह देखे हैं, लेकिन आज जो सत्याग्रह हम देख रहे हैं, वह अजीब है। मजेदार बात यह है कि रात 11 बजे आतिशी के साथ सत्याग्रही प्रदर्शन स्थल से गायब हो गए और सुबह 10:30 बजे तक वहां कोई नहीं था।

उरी में सुरक्षा बलों और आंतकियों के बीच मुठभेड़

श्रीनगर/हिमालयन अपडेट

उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी के गोहलान इलाके में भारतीय सेना और संयुक्त सुरक्षा बलों ने शनिवार को घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों ने उरी के पास दो आतंकवादी मार गिराने में भी कामयाबी पाई है। ये दोनों घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। फिलहाल सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है।

फिलहाल मारे गए आतंकियों के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं है। सुरक्षाबल इनकी पहचान में जुटे हुए हैं। इससे पहले बीते बुधवार 21 जून को बालामूला में मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया था। ये दोनों तश्कर-ए-ताइबा से जुड़े थे।

कश्मीर में फिर आतंकवाद को जिंदा करने की साजिश रच रहा पाकिस्तान

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तानी उत्तरी कश्मीर में फिर से आतंकवाद को सक्रिय करने की साजिश रच रहा है। इस क्षेत्र में 2005 से 2015 तक आतंक फैला था। हालांकि 2019 में जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक

मुहिम के तहत बारामुला जिले को आतंकी मुक्त घोषित किया गया था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तानी मूल के विदेशी आतंकियों की संख्या अभी स्थानीय आतंकियों से ज्यादा है, लेकिन इनका सफाया किया जा रहा है।

अमरनाथ यात्रा को लेकर अर्धसैनिक बलों की 24 अतिरिक्त कंपनियां होंगी तैनात: अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर में अर्धसैनिक बलों की तैनाती शुरू कर दी गई है। जम्मू जिले को इस बार अर्धसैनिक बलों की 24 अतिरिक्त कंपनियां मिली हैं, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में पांच से छह अधिक हैं। पहली बार अमरनाथ यात्रा के रूट, यात्रियों के रुकने के स्थलों, लंगरों और अन्य जगहों पर तैनाती के अलावा अर्धसैनिक बल उन जगहों पर भी तैनात किए जा रहे हैं, जहां पर किसी अप्रिय घटना होने की आशंका है। जम्मू में अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनियां पहुंच चुकी हैं, जिन्हें पुरानी मंडी, राम मंदिर, पीरखो मंदिर, भगवती नगर आधार शिविर में तैनात किया गया है। इसके अलावा पुरमंडल मोड़ से लेकर झज्जर कोटली तक पूरे हाईवे पर जवान भेजे गए हैं। इसमें कुंजवानी, गंग्याल, सिद्दड़ा, नगरोटा का इलाका शामिल है। अगले कुछ दिन में अन्य कंपनियां भी पहुंच जाएंगी।

2 साल से पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटान सुनिश्चित बनाये : उपायुक्त

हिमालयन अपडेट

कुल्लूः उपायुक्त कुल्लू तोरुल एस रवीश ने आज राजस्व अधिकारियों के साथ राजस्व विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि 2 साल से पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटान सुनिश्चित बनाये। उन्होंने कहा कि तकसीम विशेषकर खानगी तकसीमए भूमि की निशानदेही व इंतकाल के मामलों को समय पर निपटारा करें ताकि लोगों को राजस्व सम्बन्धी मामलों में तहसील के चक्कर न काटने पड़े।उपायुक्त ने राजस्व रिकॉर्ड संबंधी प्रविष्टियां को दुरुस्त करने के लिए भी तीव्रता से

मामलों को निपटाना के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निशान देही के मामलों को सभी तहसीलदार व नायब तहसीलदार तीन महीने के भीतर प्राथमिकता के आधार पर निपटान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हालांकि पार्टीशन के जिन मामलों में अधिक पक्षकार है, उन मामलों को आदेश के स्तर तक पहुंचने में तीव्रता से कार्य करें ताकि इन मामलों में अधिक समय तक लंबित न रहे। उपायुक्त ने फौजदारी मुकदमों, ऑन रिकवरी के मामले में भी समयबद्ध निपटान सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व से संबंधित सभी लंबित मामलों को राजस्व प्रबंधन व्यवस्था पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मेघ-निशानदेही के कार्य में तीव्रता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न की गई आपदा प्रबंधन की मॉकड्रिल के उपयोगिता प्रमाण पत्र भी जल्द से जल्द भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने आगामी मानसून के मौसम को देखते हुए समय से पूर्व ही सभी सुदूर स्थानों तक आवश्यक राशन व खाद्यान्न को प्रचुर मात्रा में पहुंचाकर रखने के निर्देश दिए ताकि संपर्क मार्गों के कटने पर भी खाद्यान्न की कोई कमी न हो। उन्होंने उपमंडल स्तर पर आपदा मित्रों की बैठक तथा सभी परियोजना बांध प्रबंधन से बैठक करने के निर्देश दिए तथा अर्ली वार्निंग सिस्टम की स्थापना के संबंध में कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि एचपीपीसीएल द्वारा सैंज घाटी के शाकटी में अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित किया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि सैंज व मणिकर्ण घाटी में त्वरित राहत कार्य बल की एक.एक टुकड़ी तैनात की जाएगी। उन्होंने सभी उपमंडल अधिकारियों को नदी के किनारे कैंपिंग तथा बैठने पर रोक लगाने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए ताकि किसी भी तरह को अनहोनी न हो।

नोटिस की मियाद खत्म होने के अवैध रेहड़ी खोखो पर हिमूड़ा की कार्रवाई शुरू

हिमालयन अपडेट

परवाणू : नोटिस की मियाद खत्म होने के बाद परवाणू में सरकारी जमीन पर कब्जा करके अपनी रोजी रोटी कमा रहे रेहड़ी खोखा धारको पर हिमूड़ा ने मंगलवार को कार्रवाई शुरू कर दी। मंगलवार को सुबह हिमूड़ा व नगर परिषद के अधिकारी पुलिस बल के साथ पहुंचे व जेसीबी लगाकर रेहड़ी खोखे हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। इसी बीच रेहड़ी खोखा धारक भी मौके पर पहुँच गये व हिमूड़ा की कार्रवाई का विरोध करने लगे। इस दौरान अधिकारियो के साथ रेहड़ी खोखा धारको की बहस भी हुई। रेहड़ी खोखा धारक हिमूड़ा से एक महीने की मोहलत मांग रहे है, हालांकि हिमूड़ा के अधिकारियो का कहना है की जेनुअन केस होने पर ज्यादा से ज्यादा एक दो दिन की मोहलत ही दी जा सकती है।

गौरतलब है की हिमूड़ा ने अपनी जमीन पर कब्जा करके बैठे रेहड़ी खोखा धारको को 24 जून तक जमीन खाली करके रेहड़ी खोखे हटाने का नोटिस दिया था। मंगलवार को नोटिस की मुहिम खत्म होने के बाद हिमूड़ा ने खोखे हटाने की मुहिम शुरू कर दी। इस दौरान एक खोखा हटा भी दिया गया था। इसी बीच रेहड़ी खोखा धारक बड़ी संख्या में अपनी यूनियन के अध्यक्ष दिशू शर्मा की अगुवाई में वहां पहुँच गये।

प्रसिद्ध शक्तिपीठ शिकारी देवी में उमड़ा आस्था का सैलाब

हिमालयन अपडेट

मंडीः प्रसिद्ध शक्तिपीठ शिकारी देवी में इन दिनों में आस्था का सैलाब उमड़ा है। मैदानी इलाकों में लगातार बढ़ती गर्मी के चलते श्रद्धालु व पर्यटकों ने इन दिनों हसीन वादियों की ओर रूख किया हुआ है। दिन-रात मंदिर परिसर में पहुंचने के लिए पर्यटकों व श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा है। हिमाचल प्रदेश का प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर धार्मिक स्थल शिकारी देवी मंदिर करसोग-जंजैहली घाटी में 11,000 फु ट की ऊंचाई पर स्थित है। इस क्षेत्र की खास बात यह कि यहां हमेशा ठंड रहती है। जिसका नजारा लेने के लिए जम्मू-कश्मीर, पंजाब, दिल्ली सहित अन्य राज्यों के पर्यटक पहुंचते है।

खतरे को देखते हुए सैंज विकास समिति ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

हिमालयन अपडेट

कुल्लू : सैंज विकास समिति और व्यापार मंडल सैंज ने संयुक्त तौर पर नायब तहसीलदार सैंज के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। जिसमें उन्होंने सैंज नदी में अवैज्ञानिक तरीके से हुई ड्रेजिंग कार्य की छनबीन करने बारे और बाढ़ प्रभावित लोगों की समस्या का प्रशासन द्वारा हल न करने के बारे में जिक्र किया है। वही ड्रेजिंग कार्य के दौरान नदी में बनाई झील में डूबने से हुए छात्र के मौत की मौत की जांच की भी गुहार लगाई है। सैंज वैली विकास समिति के अध्यक्ष बुधराम ने बताया कि किसी अनहोनी से बचाव के लिए ड्रेजिंग कार्य में मनमानी तथा इसकी आड़ में अवैध खनन को रोकने को लेकर समिति ने

पूर्व में काई बार प्रशासन से गुहार लगाई गई थी। लेकिन किसी भी बात पर गौर नहीं किया गया अंततः युवक की मौत का हादसा सामने आ गया। उन्होंने प्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह से आग्रह किया है। उनकी मांगों पर गौर की जाए और बाढ़ प्रभावित लोगों की समस्या को शीघ्र हल किया जाए उन्होंने कहा कि ड्रेजिग मॉनिटरिंग कमेटी द्वारा कितने भूवैज्ञानिकों की सलाह ली गई। क्योकि ड्रेजिग कार्य से नदी के किनारे लगाए गए बड़े बड़े मलवे के ढेर आने बाली बरसात में बड़े हादसे व तवाही का कारण बन सकते है। जिस तरह बीते वर्ष पूरा सैंज बाजार उजड़ गया था सतेश, सिउड, विहाली, तरेढा, खराटला सहित अन्य अनेक गांव में तबाही का मंजर देखने को मिला था। बकशाहल गांव में टापू में फं से चार घरों के लोगों ने भागकर जान बचाई थी सडक बह जाने से इस गांव के लोग बुरी तरह प्रभावित है और आज भी ये सभी गांव बाढ़ के खतरे में है। उन्होंने कहा कि सैंज नदी के किनारे और गांवों की सुरक्षा को लेकर कोई भी कार्य नहीं हुए है। बाढ़ से तवाही के बाद एक साल पूरा होने बाला है लेकिन एनएचपीसी द्वारा जारी की गई करीब 4 करोड़ घन राशि से सुरक्षा दीवारों का कार्य अभी तक शुरू नहीं किया गया है। जिसकी 93 लाख की पहली किस्त जल शक्ति विभाग के पास पड़ी हुई है। इस राशि से खतरे बाले गावों की सुरक्षा कार्यों को जल्द शुरू करने के आदेश जारी किए जाए। सैंज बाढ़ प्रभावित परिवारों को आपदा के करीब बर्ष बीत जाने के बाबजूद आपदा राहत राशि नहीं दी गई है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि उक्त मांगों के प्रति उन्होंने कई मर्तबा प्रशासन को लिखित तौर पर दिया और प्रशासन ने यहां का दौरा कर निरीक्षण भी किया।

'झूठ की राजनीति करने वालों को जनता देगी जवाब'

हिमालयन अपडेट

हमीरपुरः विधानसभा क्षेत्र सदर से भाजपा उम्मीदवार आशीष शर्मा ने अपने जन आशीर्वाद अभियान के तहत मंगलवार को ग्राम केंद्र डिडवी टिक्कर और ताल में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन कर जनता का आशीर्वाद लिया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता से मिल रहे भरपूर आशीर्वाद को पाकर वह गदगद हैं और यही झूठ और फरेब की राजनीति करने वालों को हमीरपुर की जनता का जवाब है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने जिला के तीन विधायकों समेत 9 विधायकों को नहीं चला सके और सत्ता के नशे में चूर रहे। अब वह जनता से झूठ बोलकर हम पर झूठे केस करवा कर लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं।लेकिन जनता सब कुछ जानती है और इसका जवाब भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान कर देगी। उन्होंने कहा कि हालात यह है कि कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी को चुनाव प्रचार के लिए कार्यकर्ता तक नहीं मिल रहे हैं और सहारनपुरए जम्मू व हरियाणा से लोग बुलाकर प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को एक लाख नौकरियां देने का वायदा कर सत्ता में आई कांग्रेस सरकार अब बेरोजगारी के मुद्दे पर कुछ नहीं कहती है न ही हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी बेरोजगारी के मुद्दे पर कोई बयान देते हैं।

एक साल में एक लाख नौकरियों के कहां गए जुमले

उन्होंने बताया की इस सरकार में कभी भी युवाओं, बेरोजगारों की आवाज को नहीं उठाते हैं। इन लोगों ने रोजगार तो क्या देना है, लेकिन हमारी फ र्म में काम करने वाले 300 से अधिक लोगों के परिवारों के चूल्हे भी उन्होंने बंद करवा दिए हैं। कांग्रेस प्रत्याशी दुष्प्रचार करने में माहिर हैं और तरह.तरह के आरोप लगाते रहते हैं। वह सरकार की उपलब्धियां पर चुनाव लडने की बजाय महज आशीष शर्मा के ऊपर झूठे आरोप लगाकर चुनाव लड़ रहे हैं।

वर्ल्ड हेरिटेज उत्सव में दिखी पारंपरिक परिधानों की झलक

हिमालयन अपडेट

कुल्लूः ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क साईं रोपा कुल्लू में आयोजित वर्ल्ड हेरिटेज उत्सव में पारंपरिक परिधानों की झलक दिखी। हिमाचल प्रदेश वन विभाग की वाइल्ड लाइफ विंग द्वारा आयोजित इस उत्सव में जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े विभिन्न स्वयं सहायता समूहों ने पारंपरिक वस्त्रों की बिक्री के लिए स्टॉल लगाए। जिसमें किन्नौरी और कुल्लवी शॉलए स्टाल, टोपियां, मफ लर और बेबी सेट उपलब्ध थे। इस अवसर पर मुख्य संसदीय सचिव सुंदर सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने जाइका वानिकी परियोजना और विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की मेहनत की सराहना की।

एक ही परिवार को सत्ता सुख देने के लिए लगाया था आपातकालः शर्मा

हिमालयन अपडेट

मंडीः भाजपा द्वारा मंडी में जिलाध्यक्ष निहाल चंद शर्मा की अध्यक्षता में आपातकाल को काला दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान किसान मोर्चा के महामंत्री अखिलेश कपूर और प्रदेश उपाध्यक्ष पायल वैद्य ने विशेष रूप शिरक्त की। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने हाथ में बेनर लेकर मुंह पर काली पट्टियां बांध कर शहर में मार्च किया। सेरी मंच होते हुए शहर की परिक्रमा की। इस मौके पर निहाल चंद शर्मा ने कहा कि 25 जून 1975 लोकतंत्र का काला दिवस है जिसे कभी भूला नहीं जा सकता है, क्योंकि इसमें आम आदमी की आवाज को दबा दिया

गया था। प्रदेश उपाध्यक्ष पायल वैद्य ने कहा कि अहंकार में डूबी निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक ही परिवार को सत्ता सुख देने के लिए 21 महीनों तक देश में नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे। मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी, संविधान में बदलाव कर न्यायालय तक के हाथ बांध दिए थे। किसान मोर्चा के महामंत्री अखिलेश कपूर ने कहा कि आपातकाल के खिलाफ संसद से सडक तक आंदोलन करने वाले असंख्य सत्याग्रहियों, समाजसेवियों, श्रमिकों, किसानों, युवाओं व महिलाओं के संघर्ष को आज नमन करने का दिन है।

जगत सिंह नेगी ने की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित

हिमालयन अपडेट

केलांगः लाहुल स्पीति के केलांग मुख्यालय में एक दिवसीय वन अधिकार अधिनियम को लेकर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजस्व, बागवानी एवं जनजातीय विकास तथा लोक शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यशाला में लाहौल स्पीति की विधायक अनुराधा राणा विशेष तौर पर मौजूद रही। जनजातीय मंत्री जगत सिंह नेगी ने कार्यशाला में संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार वन अधिकार अधिनियम 2006 का जनजातीय जिलों में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित बनाएगी ताकि

पात्र लोगो एवं उपेक्षित वर्गों को लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित बनाने के उपरांत प्रदेश स्तर पर भी इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस अधिनियम के तहत व्यक्तिगत व सामूहिक मामले को अधिकारियों ने लंबे समय से कानून की बारीकियों व शंकाओं के चलते स्वीकृति प्रदान नहीं की जा रही थी लिहाजा अब इस अधिनियम को प्रभावी तौर पर लागू करने के लिए शिमला में जनजातीय क्षेत्रों के डीसीए एसडीएम व निगम अधिकारी सहित डीएलसीए एसडीएलसी के गैर सरकारी सदस्यों के अलावा पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, जिसमें जिला परिषद व पंचायत समिति के सदस्यों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया और हर एक पहलू को स्पष्ट रूप से बताया गया है और विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है। नेगी ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम एक ऐतिहासिक कानून है। इस अधिनियम को लागू कर पात्र लोगों को भूमि उपलब्ध करवाई जाएगी, ताकि इस अधिनियम का भरपूर लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी एवं कर्मचारी समयबद्ध सीमा में कार्य नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और सभी वर्गों के हितों की रक्षा की जाएगी।

आपातकाल को लेकर मौन जलूस एवं कार्यक्रम किया आयोजित

हिमालयन अपडेट

शिमलाः भाजपा शिमला मंडल द्वारा मौन जुलूस का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सुनील धर द्वारा की गईए इसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज और प्रदेश मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा विशेष रूप से उपस्थित रहे। मौन जलूस सीटीओ से वाइब्रेशन हॉल गंज बाजार तक चला। उसके उपरांत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन वाइब्रेशन हॉल में किए गया जिसमे नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित रहे। जयराम ने कहा की आपातकाल भारत का सबसे कला अध्याय है।

उन्होंने कहा की कांग्रेस सरकार के पास विधायकों को सीपीएस बनाकर अतिरिक्त सुविधाएं देने के लिए पैसे हैं। पूरे प्रदेश में नया दौर और व्यवस्था परिवर्तन के होर्डिंग लगाने के पैसे हैं। मगर मात्र 80 लोकतंत्र प्रहरियों को देने के लिए पैसे नहीं हैं। यहां बात पैसे की नहीं बात नीयत की है। इमरजेंसी थोपकर लोकतंत्र का गला घोंटने वाली पार्टी आखिर उन लोगों का सम्मान कैसे कर सकती है जिन्होंने देश को एक परिवार की तानाशाही से मुक्त करवाया था। यह दिखाता है कि न तो कांग्रेस को लोकतंत्र में विश्वास है और न ही उसे लोकतंत्र के लिए लड? वालों की कोई कद्र है। देश में तो फिर से लोकतंत्र बहाल हो गया था मगर कांग्रेस पार्टी में लोकतंत्र हमेशा के लिए खत्म हो गया। आज भी कांग्रेस एक ही परिवार के हित की पार्टी बनकर रह गई है।

आज कांग्रेस के नेता संविधान के नाम पर दुष्प्रचार कर रहे हैं इन्हीं की दादी ने संविधान का प्रीएम्बल जिसे संविधान की आत्मा कहा जाता है उसे भी बदल दिया था। हिमाचल में भी यही तानाशाही देखने को मिल रहा है। हम इन्हें निरंकुश होने नहीं देंगे। इनके गलत फैसलों का विरोध करेंगे। हिमाचल और हिमाचलवासियों के हितों के लिए किसी भी हद तक संघर्ष करेंगे। यह प्रेरणा हमें उन लोकतंत्र प्रहरियों से मिली है जिन्होंने उस समय अंजाम की परवाह किए बगैर देश में लोकतंत्र को बहाल करने की लड़ाई लड़ी थी। तानाशाही का यह दौर आने वाली पीढियों को भी याद रहे, इसलिए इसे एक काले दिन के रूप में हम याद करते हैं। सुरेश भारद्वाज ने कहा की लोकतंत्र प्रहरी सम्मान निधि को बंद करने वाली कांग्रेस पार्टी की प्रवृत्ति ही कुछ ऐसी है कि संविधान की हत्या वह पहले से ही करते आए हैं।

83 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू 27 जून को

हिमालयन अपडेट

सोलनः जिला रोजगार अधिकारी संदीप ठाकुर ने बताया कि मैसर्ज वर्मा ज्वैलर्स सोलन में 83 पदों की भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू 27 जून, 2024 को जिला रोजगार कार्यालय सोलन में आयोजित किए गए जाएंगे। संदीप ठाकुर ने कहा कि इन पदों के लिए उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता 12वीं नॉन मेडिकल, ग्रेजुएट, एमबीएम, एमबीएम (फ इनेंस), कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रोग्रामिंग एसीस्टैंट (कोपा) पास होनी चाहिए तथा आयु 20 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि उक्त पदों की विस्तृत जानकारी के लिए आवेदक विभागीय पोर्टल ईईएमआईएस पर लॉगिन कर प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों को ईईएमआईएस पर कैंडिडेट लॉगइन टैब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपनी रजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते है। उन्होंने कहा कि आवेदक का नाम रोजगार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

आज आयोजित किया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस

हिमालयन अपडेट

किन्नौर : अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर 26 जून, 2024 को किन्नौर जिला के मुख्यालय रिकांग पिओ में आम जनता को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों व इसकी रोकथाम बारे जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी गत दिवस उपायुक्त किन्नौर डॉ. अमित कुमार शर्मा ने दी।उन्होंने बताया कि हर वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस मनाया जाता है जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों व इससे दूर रहने के प्रति जागरूक किया जाता है ताकि एक स्वस्थ व सशक्त समाज का निर्माण संभव हो सके। उन्होंने बताया कि नशा निवारण दिवस के अवसर पर जिला में उपायुक्त कार्यालय से पंजाब नैशनल बैंक रिकांग पिओ तक एक जागरूकता रैली का आयोजन किया जाएगा जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं व विद्यालय तथा अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थी भाग लेंगे। इसके अतिरिक्ति नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अवैध तस्करी की रोकथाम विषय पर एक वैबिनार का भी आयोजन किया जाएगा। इस वैबिनार का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया जाएगा।उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर उपायुक्त कार्यालय सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों व सरकारी कार्यालयों में नशा-मुक्त समाज पर शपथ भी दिलाई जाएगी।

देश की विविधता का ध्यान और सम्मान करें वित्तायोगः डॉ. तंवर

हिमालयन अपडेट

शिमला : वित्त आयोग और केन्द्र सरकार को देश की विविधता का सम्मान करते हुए आबंटन के समय ठोस परिस्थियों को भी ध्यान में रखना चाहिए। 16वें वित्तीय आयोग के हिमाचल दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए हिमाचल किसान सभा के राज्याध्यक्ष और सेवानिर्वित अरण्यपाल डॉ. कुलदीप सिंह तँवर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने भाखड़ा और पौंग बांध सहित विभिन्न जल विद्युत परियोजनाओं में 6 लाख हैक्टेयर कृषि भूमि में से 1 लाख कृषि भूमि कुर्बान की है जिसका लाभ बिजली और सिंचाई के रूप में मैदानी प्रदेशों को मिल रहा है। जबकि इस भूमि से विस्थापित अभी भी पुनर्स्थापन की बाट जोह रहे हैं।डॉ. तँवर ने कहा कि

वन सरक्षण कानून और नई वन नीति आने के बाद केन्द्र ने प्रदेश की 67 प्रतिशत वन भूमि अपने अधिकार में ले तो ली परन्तु इससे हर साल प्रदेश को जो 1000 करोड़ रुपये का राजस्व मिल रहा था उसकी एवज में कोई भी पैसा प्रदेश को नहीं मिल रहा। इसकी वजह से किसानों को मिलने वाली नौतोड़ भूमि से भी वंचित होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया आज जलवायु परिवर्तन और भूमण्डलीय ताप से जूझ रही है लेकिन हिमाचल ने वन संरक्षण से अनुमानतः 7204 मीट्रिक टन कार्बन स्टॉक का भार अपने ऊपर लेकर पारिस्थितिकी के संतुलन में बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिसका कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है और न ही इस इकोसर्विस के लिए प्रदेश को कोई मुआवजा दिया जा रहा है। डा. तँवर ने कहा कि मैदानी क्षेत्रों के लिए हिमाचल सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण जलागम क्षेत्र है क्योंकि वनों का सरक्षण करके हिमाचल जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भमिका निभा रहा है। अपना जल, जंगल, जमीन खोकर भी अगर केन्द्र सरकार और वित्तायोग हिमाचल को उसी नजरिये से देखेगा जो नजरिया किसी अन्य राज्य के लिए है तो यह अदूरदर्शिता और अव्यवहारिकता होगी। डॉ. तँवर ने कहा कि पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली को वित्तायोग को सकारात्मक दृष्टि से देखना चाहिए और इस निर्णय की सराहना करनी चाहिए। उन्होंने हिमाचल किसान सभा की ओर से पर्यावरण संरक्षण, सम्वर्धन, इकोसर्विस और पारिस्थितिकी संतुलन में योगदान के लिए प्रदेश को अतिरिक्त ग्रांट और वित्तीय प्रावधान करने की मांग की है।

अंतर सदनीय प्रतियोगिताओं में दयानंद सदन रहा विजेता

हिमालयन अपडेट

ऊनाः डीएवी सेनटेनरी पब्लिक स्कूल ऊना में मंगलवार को विभिन्न अंतर कक्षा सदनीय गतिविधियों करवाई गईं। जिसमें कक्षा पांचवी व छठी के लिए दोहा उच्चारण, सातवीं व आठवीं के लिए गिफ्ट बॉक्स सजाना, नवमीं व दसवीं के लिए बास्केट मेकिंग एवं 11वीं व 12वीं के लिए एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में सुदेश कपिल, रंजना पठानिया, निशा शारदा व अंजू कौशल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। मूल्यांकन अनुसार अंतर सदनीय दोहा उच्चारण प्रतियोगिता में लक्षिता, प्रतिका, आराध्य, मेधांश, हर्षिया, प्रभजोत को

सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। गिफ्ट सजाने में परीशा व कनिका, बास्केट मेकिंग प्रतियोगिता में अवनीत, खुशी, शिवांश, हरलीन, अक्षिका, सोनाक्षी व गौरवी की प्रदर्शनी को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। वहीं एकल नृत्य प्रतियोगिता में एंजेल, दीपशिखा, एंजेलिना व अर्वशिका के नृत्य को खूब सराहा गया। अंतर सदनीय इन प्रतियोगिताओं में दयानंद सदन को विजेता घोषित किया गया है। इस अवसर पर स्थानीय कमेटी के उपप्रधान बलविंदर सिंह ने छात्रों को प्रत्येक गतिविधि में बढ़-चढकर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रवीण सहगल ने कहा कि विद्यालय स्तर की गतिविधियों से ही छात्र अपनी कल्पना को साकार रूप देने में सक्षम होते हैं।

28 तक बिल न जमा करवाने पर कटेंगे कनेक्शन

हिमालयन अपडेट

ऊनाः विद्युत उपमंडल हरोली तय समय सीमा पर बिल जमा न करवाने पर उपभोक्ताओं पर कड़ी कार्यवाही करने जा रहा है। विद्युत उपमंडल हरोली के सहायक अभियंता ई. सुरेश कुमार ने बताया कि सभी बिजली उपभोक्ता सही समय पर अपने बिजली के बिल जमा करवा लें। अन्यथा समय पर बिल जमा नहीं करवाने वाले उपभोक्ताओं के बिना किसी पूर्व सूचना के 28 जून के बाद कनेक्शन काट दिए जाएंगे। ऐसे उपभोक्ताओं को किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की है।

फाइनल में पहुंची शिमला व कांगड़ा की टीमें

हिमालयन अपडेट

ऊनाः अंतर जिला सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच में शिमला और कांगड़ा की टीमों ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शिमला ने सोलन को नौ विकेट से तो कांगड़ा ने कुल्लू को रोमांचकारी मुकाबले में दो रन से मात देकर जीत दर्ज की है। ऊना के इंदिरा गांधी खेल मैदान में हुए वनडे प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच में सोलन टीम ने पहले बल्लेबाजी की। सोलन की टीम ने 29.1 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 76 रन बनाए। ईमानी नेगी ने 19 रन, मोनिका व रिजुल राणा ने 9-9 रन बनाए। बाकी सभी बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक ही रहा। मनीषा रावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटक कर खिलाडि?ों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। मनीषा रावत ने 6 ओवर में 18 रन देकर पांच खिलाडि?ों को आउट किया, जबकि गेंदबाज कशिश वर्मा ने तीन, प्राची चौहान ने एक खिलाड़ी का विकेट लेकर सोलन को अधिक रन बनाने से रोका। मैदान पर लक्ष्य हासिल करने उतरी शिमला की टीम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। शिमला ने केवल एक विकेट के नुकसान पर महज 13.4 ओवर में 78 रन स्कोर बना फाइनल की राह पक्की की। बल्लेबाज कशिश वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 37 रन, तो नेहा ने भी साथ देते हुए नाबाद 26 रन बनाए। सोलन की एक मात्र गेंदबाज हर्षिता एक विकेट लेने में कामयाब रही। सोलन को 9 विकेट से जीत दर्ज की। दूसरी ओर संतोषगढ़ के पीसीपीए क्रिकेट मैदान पर कुल्लू व कांगड़ा के बीच सेमीफाइनल मैच हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए कांगड़ा की टीम ने 50 ओवर में 162 रन का लक्ष्य स्थापित किया। टीम की बल्लेबाज धन्य लक्ष्मी ने 71 तो वैष्णवी ने 30 रन का सर्वाधिक योगदान दिया। ज्योति ने 17 व प्रीति ने 14 रन टीम के लिए जोड़े। गेंदबाजी में कुल्लू की ओर से रंजना ने चार विकेट हासिल किए, तो कुंजुम गिरी व रचना भी एक एक विकेट ले पाई। लक्ष्य को हासिल करने उतरी कुल्लू की टीम निर्धारित 50 ओवर लक्ष्य से दो रन दूर 160 रन पर सिमट गई। रोमांचकारी मुकाबले में मोनिका ने 41 रन, अंशिका 35, रंजना 31 रन का की पारियां खेली। गेंदबाजी में कांगड़ा की प्रीति ने तीन, रिजुल और श्वेता ने एक के विकेट लिया।

बहस को तैयार, मुकेश तय करें समय तिथि और स्थानः शर्मा

कहा उपचुनाव के साथ-साथ सरकार की कारगुजारी कानून व्यवस्था और गारंटियां भी हैं मुद्दे

हिमालयन अपडेट

शिमलाः भाजपा के मुख्य प्रवक्ता विधानसभा क्षेत्र से विधायक रणधीर शर्मा ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री द्वारा दी गई बहस की चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा है कि भाजपा हर मुद्दे पर बहस के लिए तैयार है। उन्होंने कह, उपमुख्यमंत्री आप समय, तिथि और स्थान का निर्धारण करें। हम हर मुद्दे पर बहस के लिए तैयार हैं। मुकेश अग्निहोत्री ने निर्दलीय विधायकों व उपचुनाव को लेकर भाजपा को खुली बहस की चुनौती दी थी। रणधीर शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हो रहे उपचुनाव कांग्रेस सरकार के

कुप्रबंधन और प्रशासनिक विफलता का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इन उपचुनावों के दौरान सरकार की विफलताओं को जनता के सामने लाना आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार प्रदेश की कानून व्यवस्था को संभालने में पूरी तरह विफल रही है। कांग्रेस खुद की दी हुई गारंटियों को धरातल पर पूरी करने में पूरी तरह से विफल रही है।

शर्मा ने कहा, प्रदेश में युवाओं को रोजगार देने के मामले में कांग्रेस सरकार ने पूरी तरह से अनदेखी की है। डेढ़ साल की सरकार में युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा करने के बजाय उन्हें निराश किया गया है। कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने रोजगार के मोर्चे पर क्या कदम उठाए हैं और अब तक कितने युवाओं को रोजगार मिला है।उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए। कानून व्यवस्था की स्थिति निरंतर बिगड़ती जा रही है। प्रदेश में अपराध की घटनाओं में वृद्धि हुई है और सरकार इस पर नियंत्रण पाने में असफल रही है। यह स्पष्ट करता है कि कांग्रेस सरकार जनता की सुरक्षा के प्रति असंवेदनशील है।महिलाओं को 1500 रुपए प्रति माह देने की योजना पर उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने महिलाओं को 1500 रुपए देने का वादा किया था, लेकिन इसके क्रियान्वयन में भी अनियमितता दिखाई देती है। सरकार को इसका पूरा विवरण सार्वजनिक करना चाहिए कि कितनी महिलाओं को यह लाभ प्राप्त हो रहा है और कितनी इस योजना से वंचित हैं।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

हिमाचल प्रदेश में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ गई है :जयराम

गोली कांड के अपराधी को छुपाने की छूट, सरकार का मिल रहा संरक्षण चिट्टे का धंधा कांग्रेस नेताओ के संरक्षण में चल रहा है

हिमालयन अपडेट
शिमला: भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस हारी है और 68 में से 61 सीटों पर हरि है। कांग्रेस सरकार की पूरी ताकत केवल कुर्सी बचाने के लिए लगी है इसके अलावा मुख्यमंत्री कुछ नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एक दिन पहले कहते हैं कि मेरे परिवार से कोई चुनाव नहीं लड़ेगा और दो दिन बाद उनकी पत्नी को टिकट मिल जाती है, मैं भी मुख्यमंत्री रह चुका हूं मुझे पता है की मुख्यमंत्री की

स्वीकृति के बिना यह चयन संभव नहीं है और खासकर कांग्रेस पार्टी में। वर्तमान सरकार में प्रदेश के हालात कैसे बन गए हैं,17 महीने में 300 से ज्यादा बलात्कार और 150 से अधिक हत्या के मामले सामने आए हैं, हिमाचल प्रदेश में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ गई है।

अब तो उत्तर प्रदेश और बिहार जैसी सुनी सुनाई घटनाएं हिमाचल प्रदेश में होनेलग गई हैए जुडशियल कॉम्प्लेक्स में किराए के गुंडे एक व्यक्ति पर गोलियां चलाते है जो घायल हो जाता है। उनको लाने वाले और कोई नहीं बल्कि बिलासपुर सदर के पूर्व विधायक के बेटे हैं जो कि अभी तक पकड़े नहीं गए हैं। इनको सरकार का पूर्ण संरक्षण मिला है और इसका प्रमाण इससे दिखता है कि उस पूर विधायक की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है और उनके बेटे को छुपाने की छूट मिल रखी है। बिलासपुर में बच्चा.बच्चा बोल रहा है कि चिट्टे का धंधा इनके संरक्षण में चल रहा है, इस चिट्टे के दौर में इसको रोकने के लिए प्राथमिकता बिल्कुल नहीं दी जा रही है, वह इसलिए क्योंकि इसी सरकार के लोग इस धंधे को चला रहे हैं। मुख्यमंत्री को इसकी पूरी जानकारी है फि र भी कुछ नहीं कर रहे हैं, भाजपा ने तय किया है कि कानून व्यवस्था के गंभीर मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाएंगे। जयराम ने पत्रकारों के सवाल की उत्तर में कहा 9 भाजपा विधायकों की विधानसभा सदस्यता रद्द करने का विधानसभा अध्यक्ष के पास कोई भी अधिकार नहीं है, जब केवल इन सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए थे। वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष ने सभी नियमों और व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ा दी है। विधानसभा अध्यक्ष केवल मुख्यमंत्री की कठपुतली बनके रह गया है, न जाने मुख्यमंत्री ने उनको किस पदों का प्रलोभन दिया है।

राज्य में स्वास्थ्य बीमा का विस्तार करने के लिए स्टार हैल्थ ने हिमाचल प्रदेश स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के साथ गठबंधन किया

शिमला: स्टार हैल्थ एंड अलाईड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (स्टार हैल्थ इंश्योरेंस)भारत की सबसे बड़ी रिटेल हैल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने आज हिमाचल प्रदेश के अग्रणी बैंक हिमाचल प्रदेश स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के साथ अपने कॉर्पोरेट एजेंसी गठबंधन की घोषणा की। इस गठबंधन के अंतर्गत स्टार हैल्थ इंश्योरेंस का उद्देश्य क्षेत्र में खासकर उन ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य बीमा का विस्तार करना है जहाँ बैंक मजबूत पहुँच रखता है। स्टार हैल्थ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ,आनंद रॉय ने कहा,हिमाचल प्रदेश स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के साथ हमारी साझेदारी से ग्रामीण इलाकों में बीमा के विस्तार की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है हम हिमाचल प्रदेश में अपनी पहुँच और वितरण का विस्तार करने के लिए आशान्वित हैं। हम मिलकर क्षेत्र में वित्तीय समावेशन बढ़ाएंगे और ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य बीमा सभी तक पहुँचे यह सुनिश्चित करेंगे।कोऑपरेटिव बैंकों की 94 प्रतिशत पहुँच ग्रामीण भारत में होती है। इसीलिए इस साझेदारी द्वारा हमारा उद्देश्य भारत के हर कोने में अपने इनोवेटिव और ग्राहक.केंद्रित स्वास्थ्य बीमा उत्पाद पहुँचाना है।

ओवरटेकिंग को लेकर हुई बहस में नूरपुर के युवक की गई जान

हिमालयन अपडेट
चंबा: चंबा जिला के चुवाड़ी में छिंज मेला देखकर लौट रहे युवकों के बीच गाड़ी ओवरटेक करने को लेकर बहस इतनी बढ़ गई कि इस घटना में एक युवक की मौत हो गई। युवक नूरपुर का बताया जा रहा है। युवक की पहचान 22 वर्षीय निखिल निवासी नूरपुर कांगड़ा के रूप में हुई है पुलिस ने हत्या केस दर्ज कर चार लोगों को हिरासत में ले लिया है। इस में एक नाबालिक भी शामिल है जबकि एक युवक अभी फरार बताया जा रहा है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। जानकारी के अनुसार नूरपुर निवासी निखिल अपने चार दोस्तों के साथ चुवाड़ी छिंज देखने गया था शाम को लौटते समय पेट्रोल पंप के पास गाड़ी को ओवरटेक कर रहे युवकों के साथ उसकी बहसबाजी हो गई बहस इतनी बढ़ गई की बात मारपीट तक जा पहुंची। लोगों ने दोनों पक्षों में सुलाह करवा कर उन्हें वहां से भेज दिया मगर इसी बीच चुवाड़ी. पठानकोट मार्ग पर दोनों पक्षों में फिर बहस हो गई देखते ही देखते हाथापाई हो गई इतने में एक युगक ने चाकू निकालकर निखिल की छाती में घोंप दिया जिससे वह लहू लहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गए। जख्मी निखिल को नूरपुर अस्पताल ले गए जहां से गंभीर अवस्था में परिजनों उसे अमृतसर ले गए उपचार के दौरान वहां निखिल ने दम तोड़ दिया।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने कहा कि निखिल की हत्या के रूप में पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में

16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष से मिले विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप

हिमालयन अपडेट
शिमला: गत सायं 7:30 बजे हि.प्र. विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविन्द पनगढि?ा के साथ होटल सिसिल में मुलाकात के लिए निर्धारित एक विशेष कक्ष में बैठक की। यह बैठक करीब 19 मिनट तक चली। गौरतलब है कि 16वां वित्त आयोग आजकल हि.प्र. राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर शिमला आया है। इस दौरान पठानियां ने 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगढि?ा से विधान सभा के लिए उदार वित्तिय अनुदान की मांग की। बैठक के दौरान कुलदीप पठानियां ने विधान सभा सचिवालय के कौंसिल चैम्बर, विठ्ठलभाई भवन, प्रशासनिक भवन तथा पुस्तकालय भवन के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर

डॉ. पनगढि?ा को अवगत करवाते हुए पठानियां ने कहा कि विधान सभा के पास उपाध्यक्ष विधान सभा के लिए कोई भी आवास नहीं है जिसके निर्माण कार्य पर 2.50 करोड़ रुपए का व्यय अनुमानित है। उन्होंने कहा कि विधायकों का आवासीय परिसर ओल्ड मैट्रोपोल भी 120 वर्ष पुराना है जिसके पुनः निर्माण पर 165 करोड़ का व्यय होना अनुमानित है। पठानियां ने कहा कि विधानसभा परिसर में बहुमंजिला भूमिगत पार्किंग तथा मनोरंजन कक्ष का निर्माण कार्य प्रस्तावित है जिस पर 9 करोड़ रुपए व्यय होने हैं। पठानियां ने कहा कि विधान सभा सचिवालय में मॉडूलर फ र्नीचर की आवश्यकता है जिसकी अनुमानित लागत 10 करोड़ रुपए है। लकड़ियों से निर्मित खिड़कियों को द्वारा बदलने हेतु 3.50 करोड़ की लागत अनुमानित है।

इसके अतिरिक्त विधान सभा सचिवालय के पास अपने कर्मचारियों के लिए कोई भी आवासीय परिसर नहीं है जिसके निर्माण हेतु 60 करोड़ रुपए व्यय किए जाने प्रस्तावित है। इन सभी निर्माण कार्यों के लिए विधान सभा अध्यक्ष ने कुल 250 करोड़ रुपए की राशी की स्वीकृति की वित्त आयोग के अध्यक्ष से मांग की।

खारा के जंगल में नष्ट किया शराब का अवैध धंधा

हिमालयन अपडेट
नाहनः जिला सिरमौर के पांवटा साहिब उपमंडल के खारा जंगल में माजरा पुलिस ने बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया। सोमवार को पुलिस थाना माजरा के प्रभारी प्रताप परमार की अगुवाई में टीम ने जंगल में पांच किलोमीटर पैदल चलकर दबिश दी। इस दौरान टीम खारा जंगल के नाला में उस स्थान पर पहुंची, जहां अवैध शराब का कारोबार फ ल-फू ल रहा था। मौके पर पुलिस को पांच भट्टियां बरामद हुईं, जिनमें से दो चलती हालत में थी। इसके साथ-साथ पुलिस को जंगल में 28 ड्रम भी बरामद हुए। साथ ही एल्यूमिनियम के दो बंटे भी मिले, जिसमें ताजी निकाली गई कसीदशुदा शराब मिली।

इस पर पुलिस ने ड्रमों पर कुल्हाड़ी चलाकर 12,000 लीटर लाहन के साथ 40 लीटर शराब को मौके पर ही नष्ट कर दिया। इसके साथ जंगल से बरामद उन साधनों को भी नष्ट कर दिया, जिनका इस्तेमाल लाहन और अवैध शराब बनाने के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने इस दौरान भट्टियां भी तोड़ दी। हालांकि, इस दौरान शराब का कोई कारोबारी मौके पर नहीं मिला। बताया जा रहा है कि पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही शराब कारोबारी मौके से फरार होने में कामयाब हो गए। उधर, एसएसपी सिरमौर रमन कुमार मीणा ने मामले की पुष्टि की है।

27 जून से 30 जून तक पोआबो से कम्याना सडक रहेगी बंद

हिमालयन अपडेट
शिमला: जिला दण्डाधिकारी शिमला अनुपम कश्यप ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत आदेश जारी करते हुए बताया कि टायरिंग कार्य के चलते पोआबो से कम्याना सडक पर वाहनों की आवाजाही 27 जून से 30 जून, 2024 तक बंद रहेगी।

उन्होंने बताया कि इस दौरान यह सडक आपातकालीन वाहनों को छोडकर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही के लिए प्रातः 11 बजे से शाम 5 बजे तक और रात 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक बंद रहेगी।

युवक की चाकू मारकर की हत्या

हिमालयन अपडेट
कांगड़ा: हिमाचल प्रदेश के चंबा में छिंज मेला देख कर लौट रहे युवकों के बीच गाड़ी ओवरटेक करने को लेकर बहसबाजी इतनी आगे बढ़ गई कि एक युवक ने दूसरे की छाती में चाकू घोंप दिया। चाकू लगने से गंभीर रूप से जख्मी युवक ने अमृतसर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। युवक की पहचान 22 वर्षीय निखिल निवासी मैहला, नूरपुर (कांगड़ा) के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर चार युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। इनमें अंकु गांव कामण डाकघर गाहर, अतुल निवासी चुवाड़ी और विनय निवासी कामण शामिल हैं। इसके अलावा एक नाबालिग है। विशाल निवासी लाहड़ी अभी फ रार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नूरपुर निवासी निखिल चार दोस्तों के साथ चुवाड़ी छिंज देखने आया था। रविवार शाम को लौटते समय पेट्रोल पंप के पास गाड़ी को ओवरटेक कर रहे युवकों के साथ उनकी बहस हो गई। बहसबाजी इतनी आगे बढ़ गई कि बात मारपीट तक पहुंच गई। लोगों ने दोनों पक्षों में सुलह करवाकर उन्हें वहां से भेज दिया। चुवाड़ी-पठानकोट सडक पर जतरून में दोनों पक्षों में फिर बहस हो गई। देखते ही देखते बात

हाथापाई पर पहुंच गई। इतने में एक युवक ने चाकू निकाल कर निखिल की छाती में घोंप दिया और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। आरोपी मौके से भाग निकले। चाकू लगने से जख्मी निखिल को दोस्त नूरपुर अस्पताल ले गए। वहां से परिजन उसे अमृतसर ले गए। यहां अस्पताल में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।नूरपुर निवासी निखिल की हत्या के आरोप में चार युवकों को हिरासत में लिया गया। जबकि एक फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। आज म्रतक के शव का पोस्टमार्टम चम्बा में करवाने के वाद शव परिजनों को सौंप दिया जायेगा। उधर इस मामले में म्रतक परिवार के साथ क्षेत्र वासियों में यह भी चर्चा है कि क्या चम्बा पुलिस इस मामले में निष्पक्ष जांच करेगी।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पर्यावरण चेतना साहो के प्रयास सराहनीय

हिमालयन अपडेट
चंबा: पर्यावरण चेतना एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र साहो पर्यावरण संबंधी जागरूकता के साथ-साथ कृषि तथा बागवानी से संबंधित शिक्षण व प्रशिक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है इसलिए इससे संबंधित कृषि, बागवानी पशुपालन, वन तथा ग्रामीण विकास विभाग को इस संस्था के साथ बेहतर तालमेल स्थापित कर कार्य करने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों व बागवानों का आर्थिक सुदृढ़ीकरण किया जा सके। यह बात उपायुक्त चंबा व पर्यावरण चेतना एवं ग्रामीण विकास

प्रशिक्षण केंद्र साहो के मुख्य संरक्षक मुकेश रेपसवाल ने जिला मुख्यालय चंबा में संस्था से संबंधित आयोजित बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। मुकेश रेपसवाल ने कहा कि यह संस्था गत दो दशकों से निरंतर इस दिशा में बेहतर प्रयास कर रही है लेकिन संस्था द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों में बेहतर परिणाम लाने के लिए विभागीय अधिकारियों को भी संस्था के साथ बेहतर तालमेल के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। इससे पूर्व संस्था के वर्तमान अध्यक्ष कुलभूषण अभिमन्यु तथा संस्थापक सदस्य रतन चंद के अलावा सदस्य उमाकांत शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने भी संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण के अलावा कृषि एवं बागवानी की दिशा में किए जा रहे प्रयासों बारे महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा भविष्य में इस दिशा में बेहतरीन परिणाम लाने वाले अपने-अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। बैठक में संस्था के संस्थापक सदस्यों व पदाधिकारियों ने मांग की कि संस्था के क्रमागत विकास व उपयोगिता के दृष्टिगत इसे एक शिक्षण व प्रशिक्षण केंद्र परिसर के रूप में कायम रखा जाए ताकि भविष्य में इस परिसर का उपयोग करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण तथा कृषि व बागवानी से संबंधित उद्देश्यों की पूर्ति की जा सके।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

पंजाब विधानसभा के स्पीकर ने हॉकी खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार से किया सम्मानित

हिमालयन अपडेट
चंडीगढ़-पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने ओलंपिक दिवस और सम्मान समारोह दौरान चंडीगढ़ के हॉकी खिलाड़ियों को नकद इनाम देकर सम्मानित किया। इन खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय टूनार्मेंटों में भारतीय हॉकी टीम की नुमायंदगी करके शहर और हॉकी चंडीगढ़ का नाम रोशन किया है।

स. संधवां ने हॉकी इंडिया की मान्यता प्राप्त इकाई हॉकी चंडीगढ़ को पाँच लाख रुपए का अनुदान देने का ऐलान करते हुए खिलाड़ियों द्वारा किये गये शानदार प्रदर्शन की प्रशंसा की। इन खिलाड़ियों ने अलग-अलग अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शहर का नाम रोशन किया है।

हॉकी चंडीगढ़ द्वारा हर साल करवाए जाने वाले समारोह में इस साल एक प्रदर्शनी मैच भी शामिल है, जोकि एफ.आई.एच. के दिशा-निदेर्शों के अंतर्गत विश्वव्यापी समारोहों के तालमेल के साथ करवाया जा रहा है। यह समारोह खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए नकद पुरुस्कारों के साथ मान्यता प्रदान करता हैं

नशे विरुद्ध निर्णायक जंग: पटियाला पुलिस ने नशे विरुद्ध जंग को ज्यादा मजबूत करने के लिए मिशन सहयोग की शुरूआत

मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा- निदेर्शों अनुसार राज्य भर में से नशे का सफाया करने के लिए तीन- नुकाती रणनीति तैयार

हिमालयन अपडेट
चंडीगढ़/ पटियाला-मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा- निदेर्शों पर चलाए जा रहे नशा विरोधी जागरूकता अभियान के अंतर्गत क्षेत्र में से नशें को जड़ से खत्म करने की तरफ एक अहम कदम उठाते हुए, पटियाला पुलिस ने रविवार को पुलिस और जनसमूह में तालमेल को और बढिया करने और नशे से निपटने के लिए एक नई पहलकदमी मिशन सहयोग की शुरूआत की।

पटियाला रेंज के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डी.आई.जी.) हरचरन सिंह भुल्लर ने सीनियर पुलिस कप्तान (एस.एस.पी.) पटियाला वरुण शर्मा सहित समिति सदस्यों- जिनको पुलिस सहयोगी भी कहा जाता है, जिनमें अलग- अलग गाँवों के सरपंच और अन्य समर्पित समाज प्रेमियों के साथ मीटिंग की। इस बैठक में सब- डिविजनल पुलिस अधिकारी और स्टेशन हाऊस अधिकारी (एसएचओ) भी शामिल थे।

जिक्रयोग्य है कि राज्य सरकार ने राज्य में से नशे को जड़ से उखाडने के लिए तीन- नुकाती रणनीति- इनफोरसमैंट, डैडीकशन एंड प्रीवेन्शन (ईडीपी) लागू की हुई है। इस सम्बन्धित ओर जानकारी देते हुए डीआईजी हरचरन सिंह भुल्लर ने कहा कि मिशन सहयोग पुलिस-पब्लिक को-आरडीनेशन समिति को ऐसीं गतिविधियों में शामिल करने के लिए एक गतिशील प्लेटफार्म प्रदान करता है, जो नशे के साथ सम्बन्धित मामलों विरुद्ध सहयोग और सामुहिक कार्यवाही को उत्साहित करता है।

उन्होंने आगे कहा, यह पहलकदमी इस गंभीर चुनौती के साथ पूरा करने के लिए लोगों की भागीदारी के महत्व को दिखाती है और नशा मुक्त माहौल सृजित करने के लिए पुलिस बल और जनता की सामुहिक ताकत को उचित ढंग के साथ प्रयोग पर जोर देती है।

डीआईजी ने कहा कि मिशन सहयोग सिर्फ एक प्रोगराम नहीं है, बल्कि एक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य पुलिस और जनता को नशे विरुद्ध एकजुट मोर्चों में लाना है। उन्होंने कहा, हमारा विश्वास है कि मजबूत भाईचारक सम्मिलन के साथ, हम अपने मिशन में भरपूर तरक्की कर सकते हैं।

एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि कान्फ्रेंस दौरान 360- डिगरी फीडबैक सैशन करवाया गया, जिस दौरान भाईवालों ने अपनी जानकारी और सुझाव साझे किए। उन्होंने आगे कहा कि मिशन सहयोग के दृष्टिकोण को स्पष्ट किया जा रहा है जिससे समाज का प्रत्येक मैंबर इस पहलकदमी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।

एस.एस.पी. ने कहा कि पटियाला में फीडबैक सिस्टम पहले ही मौजूद है और कोई भी व्यक्ति पटियाला पुलिस को बेझिझक जानकारी दे सकता है।

उन्होंने कहा, " यदि कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकारी की जानकारी या टिप प्रदान करता है तो उसका नाम गुप्त रखा जाएगा और यदि उस की सूचना से कोई नशा बरामद होता है तो पटियाला पुलिस उस व्यक्ति को इनाम भी देगी।

जिक्र योग्य है कि मीटिंग में उपस्थित सभी अधिकारियों ने नशे के खात्मे के लिए जनतक भागीदारी के रणनीतक महत्व को मशहूर किया और कम्युनिटी सदस्यों के सहयोग और एकजुट हो कर काम करने के लिए पुलिस की वचनबद्धता को दोहराया।

गाड़ी में आए चार लड़कों ने पारिवारिक रंजिश के कारण मारी थी संदीप को गोली , दो आरोपियों को गिरफ्तार करके भेजा जेल आरोपियों से वारदात में प्रयोग गाड़ी बरामद

हिमालयन अपडेट
बादली/पुलिस उपायुक्त बहादुरगढ़ श्री मयंक मिश्रा के दिशा निदेर्शानुसार व एसीपी शुभम सिंह आईपीएस की देखरेख में कार्रवाई करते हुए थाना बादली की पुलिस टीम द्वारा बीते शुक्रवार को घर से ड्यूटी पर (दादनपुर पंप हाउस) जा रहे वाटर ऑपरेटर संदीप को गोली मारने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। मामले की जानकारी देते हैं थाना प्रबंधक बादली निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि वाटर ऑपरेटर संदीप निवासी बादली ने शिकायत देते हुए बताया कि वह 21 जून 2024 को अपनी ड्यूटी पर दादनपुर पंप हाउस के लिए घर से चला था की पाहसौर गांव के बस स्टैंड के नजदीक पीछे से स्विफ्ट गाड़ी आई जिन्होंने गाड़ी को मेरी मोटरसाइकिल के आगे लगा दिया। जिस कारण से मैंने भी अपनी मोटरसाइकिल रोक ली स्विफ्ट गाड़ी में से मेरे ही गांव का रोबीन, सज्जन, प्रशांत व एक अन्य व्यक्ति बाहर निकाला जिनमें से सज्जन ने अपनी जेब से पिस्तौल निकाल कर मुझे जान से मारने की नीयत से मेरे ऊपर फायर कर दिया जो गोली मेरे हाथ की बाजू पर लगी इसके बाद मैं भाग कर झाड़ियां में छप गया उन लोगों ने भी मेरा पीछा किया उनके जाने के बाद मैंने अपने चाचा के लड़के को फोन पर सूचित किया। इसके बाद वह मुझे इलाज के लिए अस्पताल ले गए हैं। जिस सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना बादली में जानलेवा हमला करने के संबंध में आपराधिक मामला दर्ज किया गया। दर्ज मामले पर तत्परता से कार्रवाई करने और आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने के संबंध में पुलिस उपायुक्त बहादुरगढ़ श्री मयंक मिश्रा द्वारा कड़े दिशा निर्देश दिए गए थे।

नशा हमारे स्वास्थय को ही नही बल्कि सुखी जीवन को भी बर्बाद कर देता है : एसीपी जोगिन्द्र शर्मा

हिमालयन अपडेट
कालका/पुलिस प्रवक्ता नें जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस कमिश्नर शिबास कविराज के मार्गदर्शन में जिला में नशे के खिलाफ खेलकूद, जागरुक कार्यक्रम आयोजित करके लोगो को नशे से दूर करनें व इससे बचनें हेतु जागरुक किया जा रहा है इसी अभियान के तहत एसीपी कालका जोगिन्द्र शर्मा क्रिकेटर नें कालका क्षेत्र में युवा पीढी के साथ क्रिकेट मैच आयोजित करके नशे से दूर रहनें का दिया सन्देश दिया । एसीपी कालका नें युवा पीढी को सन्देश देते हुए कहा हमारी जिन्दगी में सबसे बडा दुश्मन नशा है चाहे वह छोटा है या बडा, क्योकि नशा हमारे

स्वास्थय को ही नही बल्कि सुखी जीवन को बर्बाद कर देता है और आज की युवा पीढी नशे का शिकार होती जा रही है जिससे युवा पीढी अपने भविष्य को पहले से ही अंधकार की तरफ ले जाती है जिससे व्यक्ति अपनी जिन्दगी के साथ साथ अपनें परिवार को बर्बाद कर लेता है और फिर वह अपनें भविष्य के साथ साथ समाज के भविष्य को भी अंधकार की तरफ ले जाता है क्योकि आज की युवा पीढी ही कल का समाज का भविष्य है इसलिए आप सभी साथियो से मेरी अपील है कि नशे की धलधल में फंसकर अपना जीवन बर्बाद ना करें और खेलकूद की तरफ ध्यान देकर अपनें भविष्य बनाएं और इस देश को आगे तरक्की की तरफ लेकर जाएं ।

एसीपी नें कहा कि पहले तो व्यक्ति छोटे मोटे नशे से शुरूआत करता फिर वह धीरे धीरे बडे बडे नशे करनें लग जाता है फिर वह इस नशे का आदि हो जाता है और उसे सिर्फ नशा ही चाहिए होता जिसके लिए हर पहले घर से चोरी चकारी शुरू कर देता है फिर वह बाहर चोरी डकैती इत्यादि अपराध को अन्जाम देने लग जाता है जिससे व्यक्ति अपनें जिन्दगी के साथ साथ अपनें भविष्य और एक परिवार को भी एक अंधेरे भरी जिन्दगी में धकेल देता है क्योकि जिस परिवार के कोई सदस्य नशे करनें का आदि हो उसके माता पिता भाई बहन से पुछकर देखो वह अब भी एक अंधकार की जिन्दगी जी रहे है क्योकि उनके घर का बेटा नशे की धल धल में फँसा हुआ और हर दिन वह यही चाहते है कि यह नशा छोडकर अपनी जिन्दगी को अच्छे से जीए ।

संपादक की कलम से

चिपको की तरह दक्षिण भारत का अप्पिको

इस आंदोलन का असर हुआ कि कर्नाटक के पश्चिमी घाट में हरे पेड़ों को कटने पर सरकार ने रोक लगाई, जो अब भी जारी है। यह अहिंसक व गांधीवादी तरीके का आंदोलन था। पेड़ों से लोग चिपक गए थे। यह प्रतीकात्मक ही नहीं था, वास्तव में वनों का कटान रोकने के लिए वनों से लोग चिपक गए। बिलकुल उत्तराखंड के चिपको आंदोलन की तरह। चिपको आंदोलन की 50 वीं वर्षगांठ पूरी हो रही है। इस आंदोलन ने हिमालय में वन कटाई पर रोक लगवाने में सफलता पाई थी। इसका देश-दुनिया में काफी असर हुआ था। कई जगहों पर इससे प्रभावित होकर लोगों ने पेड़, पहाड़, पानी, पत्थर और खेती को बचाने के लिए पहल शुरू की थी। इसके साथ, शराब बंदी आंदोलन, बीज बचाओ आंदोलन और पर्यावरण जागरूकता के लिए मुहिम छेड़ी। आज मैं इस कॉलम में चिपको से प्रेरणा लेकर कर्नाटक में चलने वाली एक महत्वपूर्ण पहल अप्पिको के बारे में करना चाहूंगा। हाल ही में मुझे चिपको आंदोलन से प्रेरणा लेकर अप्पिको आंदोलन के सूत्रधार पांडुरंग हेगड़े से मिलने का मौका मिला। छत्तीसगढ़ के राजिम कस्बे में वे एक बैठक में हिस्सा लेने आए थे। इस दौरान उन्होंने मुझे अप्पिको आंदोलन की प्रेरणादायक कहानी सुनाई। वे देश-दुनिया में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने की कोशिश कर रहे हैं। आगे बढ़ने से पहले चिपको आंदोलन के बारे में जानना उचित होगा। मुझे एक-दो बार चिपको के प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा को भी देखने व सुनने का मौका मिला है। मुझे उनकी एक बात याद है, जो उन्होंने इन्दौर की एक बैठक में कही थी। उन्होंने कहा था कि पेड़ भी जिंदा हैं,और वे बातें भी करते हैं। अगर उन्हें गले से लगाते हैं तो सुकून मिलता है। चिपको आंदोलन महिलाओं की अगुआई में हुआ था। इसका श्रेय बहुगुणा जी भी महिलाओं को देते थे। वे कहते थे महिलाएं जंगल का महत्व अच्छे से जानती हैं, क्योंकि वह उनका मायका है, जो हर संकट के समय उनके साथ रहता है। जंगल से ही उनकी सब जरूरतें पूरी होती हैं। फल, फूल, शहद, ईंधन, चारा, पानी, रेशे सब कुछ। इस आंदोलन ने वन कटाई पर न केवल रोक लगाने में सफलता पाई थी, पेड़ों से चिपककर उन्हें कटने से बचाया था। बल्कि पूरी दुनिया में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाई थी। पांडुरंग हेगड़े दिल्ली विश्वविद्यालय से सामाजिक कार्य में गोल्ड मेडलिस्ट हैं। अपनी पढ़ाई के दौरान ही हिमालय के चिपको आंदोलन में शामिल हो गए थे और कई गांवों में घूमे थे और कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। वे शुरूआत से स्वभाव से घुमक्कड़ हैं, और पर्यावरण के प्रति उनका विशेष लगाव रहा है। लेकिन सुंदरलाल बहुगुणा और चिपको की प्रेरणा से उनकी जीवनधारा ही बदल गई। उन्हें बड़ी नौकरियों के प्रस्ताव मिले, लेकिन उन्होंने उनकी कर्मभूमि कर्नाटक को ही बनाया, जहां के वे रहने वाले हैं।

पांडुरंग हेगड़े जब पढ़ाई के बाद उनके गांव वापस लौटे तब तक घने जंगल उजाड़ में बदल रहे थे। हरे पेड़ कट रहे हैं। इससे पांडुरंग व्यथित हो गए, उन्हें उनका बचपन याद आ गया। बचपन में वे खुद घर के मवेशी जंगल में चराते थे, तब बहुत घना जंगल देखा था। हरे पेड़, शेर, हिरण,जंगली सुअर,जंगली भैंसा, बहुत से पक्षी और तरह-तरह की चिड़ियाएं देखी थीं। पर कुछ सालों के अंतराल में इसमें कमी आई।अस्सी के दशक की बात है। हिमालय की तरह पश्चिमी घाट में वनों की कटाई होने लगी। यह उष्ण कटिबंधीय वन जैव विविधता के लिए जाने जाते हैं। जंगलों पर लोगों की आजीविका व जीवन निर्भर था। लेकिन सरकार की वननीति के चलते यहां की जैव विविधता व पर्यावरण पर विपरीत असर पड़ा। इससे न केवल यहां के लोगों का जीवन कठिन हुआ बल्कि यहां के पीने के पानी और खेती की सिंचाई का भी संकट बढ़ने लगा। चिपको से प्रेरणा लेकर यहां भी अप्पिको (कन्नड़ भाषा का शब्द) नाम से जिसका अर्थ भी चिपको ही होता है, आंदोलन चला। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर हस्तक्षेप करनी की सोची। इसी समय सुंदरलाल बहुगुणा जी कर्नाटक आए और उन्होंने चिपको आंदोलन का अनुभव ग्रामीणों को बताया और कहा कि आप भी इस काम को आगे बढ़ाएं। उनसे प्रेरणा लेकर सालकनी गांव से विरोध शुरू हुआ और आसपास के गांवों में फैला। यहां पदयात्रा की, जिनमें महिलाएं व युवा शामिल थे। इस आंदोलन का विस्तार जल्द ही पड़ोसी गांव सिद्दापुर तालुका तक हो गया।

इसके पहले पांडुरंग हेगड़े चिपको आंदोलन के प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा के साथ कश्मीर से कोहिमा तक की पदयात्रा में शामिल हुए थे, जिसने पूरे देश का ध्यान खींचने की कोशिश की थी। इसीलिए पदयात्राओं का महत्व लोगों को जोड़ने व चेतना जगाने में क्या है, उसे अच्छी तरह समझते थे।

पांडुरंग हेगड़े ने इसमें सभी तबके को जोड़ा, राजनीतिक पार्टियों को भी शामिल किया। उनका कहना था कि हमारा मुख्य उद्देश्य वनों की रक्षा करना है, जो हमारे और सभी जीव-जगत के जीवन का आधार है। हमें इसमें सबकी भागीदारी की जरूरत है, पर किसी का एकाधिकार नहीं होना चाहिए। हमें वननीति में बुनियादी बदलाव चाहते हैं, जो कृषि में मददगार हो। जिस पर देश की बड़ी आबादी आश्रित है

ग्रामीणों का कहना था कि कृषि उपज घट रही है, क्योंकि जंगल कट रहा है। फसलों में रोग लग रहे हैं। आर्थिक हालत खराब हो रही है। कर्ज बढ़ रहा है। उत्तर कन्नड़ जिले में 80 प्रतिशत जंगल था, जो वन दोहन के कारण काफी कम हो गया था। और उसकी जगह सागौन व यूकेलिप्टस लगाया था। जलस्रोत सूख गए थे। बारिश भी कम हो रही थी। जंगल से फल, चारा, ईंधन, जैव खाद और रेशा मिलते थे, उनमें कमी आ रही थी। अप्पिको आंदोलन से वनों को फिर से हरा-भरा करने में मदद मिली और लोगों की आजीविका भी इससे जुड़ी।

हिमालय के चिपको आंदोलन की तरह पश्चिमी घाट में अप्पिको आंदोलन भी प्रसिद्ध हुआ। वनों की कटाई के खिलाफ आंदोलन काफी हद तक सफल रहा। इसे न केवल लोगों का समर्थन हासिल हुआ बल्कि मीडिया में अच्छा कवरेज मिला, सरकारी महकमे में मान्यता मिली।

इस आंदोलन का असर हुआ कि कर्नाटक के पश्चिमी घाट में हरे पेड़ों को कटने पर सरकार ने रोक लगाई, जो अब भी जारी है। यह अहिंसक व गांधीवादी तरीके का आंदोलन था। पेड़ों से लोग चिपक गए थे। यह प्रतीकात्मक ही नहीं था, वास्तव में वनों की कटान रोकने के लिए वनों से लोग चिपक गए। बिलकुल उत्तराखंड के चिपको आंदोलन की तरह।

इस आंदोलन से नया नारा निकला। उलीसू, बेलासू और बालूसू। यानी जंगल बचाओ, पेड़ लगाओ और उनका किफायत (टिकाऊ) से इस्तेमाल करो। यह आंदोलन आम लोगों और उनकी जरूरतों से जुड़ा है, यही कारण है कि इतने लम्बे समय तक चल रहा है।

उप्र और महाराष्ट्र ने रोका भाजपा का रथ

- प्रो. रविकांत

बाबा साहब अम्बेडकर के प्रति भावुक और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र दलितों ने भाजपा को हराने में बड़ी भूमिका अदा की। अम्बेडकरवादी वैचारिक पृष्ठभूमि होने के कारण उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के दलितों ने एकजुट होकर भाजपा और आरएसएस के हिंदू राष्ट्र बनाने और संविधान बदलने के मंसूबों पर ताला लगा दिया और यह संकेत दे दिया है कि आने वाले वक्त में भी जब इस तरह की हिमाकत होगी तो दलित समाज अपने निजी हितों को छोड़कर हिंदुत्ववादियों को रोकने के लिए अपने मताधिकार का ही प्रयोग नहीं करेगा अगर जरूरत पड़ेगी तो सड़क पर संघर्ष करने के लिए भी तैयार रहेगा। 2024 की लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत से रोकने में दो राज्यों की सबसे बड़ी भूमिका रही। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र देश के सबसे बड़े राज्य हैं। दोनों ही राज्य हिंदुत्व की प्रयोगशाला माने जाते हैं। दोनों राज्यों में लंबे समय से भाजपा सत्ता में है। इन राज्यों में भाजपा का अनेक छोटे-बड़े सहयोगी दलों के साथ गठबंधन भी है। महाराष्ट्र में भाजपा एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन सरकार में है। जून 2022 में उद्धव ठाकरे की महा विकास अघाड़ी की सरकार को गिराकर भाजपा ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार बनाई। उद्धव ठाकरे से बगावत करके एकनाथ शिंदे ने शिवसेना पर कब्जा कर लिया। ठीक इसी तरह भतीजे अजित पवार ने दो तिहाई से ज्यादा विधायक तोड़कर चाचा शरद पवार की एनसीपी पर कब्जा कर लिया। जाहिर तौर पर यह तोड़फोड़ केंद्र की मोदी सरकार के इशारे पर हुई थी। महाराष्ट्र में महायुति सरकार बनाने के पीछे असली मकसद लोकसभा चुनाव था। लेकिन महाराष्ट्र की 48 सीटों में से केवल 17 पर महायुति गठबंधन जीत सका। इसमें 9 पर भाजपा, 7 पर शिवसेना और 1 पर एनसीपी ने जीत हासिल की। इसके बरक्स उद्धव ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर 30 सीटों पर जीत हासिल की। आश्चर्यजनक रूप से कांग्रेस को सर्वाधिक 13, शिवसेना (यूबीटी) को 9 और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को 8 सीटें मिलीं। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के जरिए पार्टियों को तोड़कर और तमाम सामाजिक समीकरण साधकर भी महाराष्ट्र में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। 2014 में भाजपा की जीत में उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी भूमिका थी। यूपी की 80 सीटों में से 71 सीटें जीतकर भाजपा ने पूरे देश में 282 सीटें हासिल की थीं। इसके बाद 2019 के चुनाव में सपा बसपा गठबंधन के सामने भी भाजपा ने 62 सीटें जीतकर 303 सीटों का बड़ा बहुमत हासिल किया। 2024 के चुनाव में सपा कांग्रेस गठबंधन के सामने भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई। उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार कई मायने में गौरतलब है। 90 के दशक में उत्तर प्रदेश भाजपा के हिंदुत्व का केंद्र बना। भाजपा के उभार में राम मंदिर आंदोलन की बड़ी भूमिका रही है। बाबरी मस्जिद तोड़कर (6 दिसम्बर, 1992) भाजपा और संघ ने जिस राम मंदिर के लिए आंदोलन शुरू किया था, वह इस साल बनकर तैयार हो गया। 22 जनवरी को हुए उद्घाटन के समय पूरे देश को भगवा झंडों से पाट दिया गया। गोरखपुर मठ के महंत योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में बड़ी जीत हासिल की थी। योगी आदित्यनाथ की छवि उग्र हिंदुत्ववादी नेता की है। यूपी में कानून व्यवस्था के नाम पर योगी सरकार ने मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर चलाया। गुंडे खत्म करने के नाम पर सैकड़ों छोटे-मोटे अपराधियों का एनकाउंटर कर दिया गया। इनमें भी ज्यादातर मुस्लिम थे। ईद, मुहर्रम और बकरीद पर मुसलमानों को सख्त हिदायतें दी जाती हैं, जबकि हिंदू त्योहारों पर नौजवान हिंदुओं को धर्म की अफीम चटाकर मस्जिदों के सामने डीजे बजाने और समुदाय विशेष को अपमानित करने का पूरा मौका मिलता है। इनमें अधिकतर पिछड़े और दलित नौजवानों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन जब यही नौजवान नौकरी मांगते हैं या समुचित आरक्षण लागू करने की मांग करते हैं तो उन्हें लाठियां मिलती हैं। इस व्यवस्था को गोदी मीडिया की भाषा में राम राज्य कहा जाता है। उत्तर प्रदेश राम मंदिर आंदोलन की ही नहीं बल्कि मान्यवर कांशीराम की बहुजन आंदोलन की भी जमीन है। सांप्रदायिक उग्रता और सामाजिक विभाजन के बावजूद भाजपा कभी नितांत हिंदुत्व के बलबूते चुनाव नहीं जीत सकी। भाजपा ने दलित पिछड़ा कार्ड खेला। गैर जाटव दलित और गैर यादव पिछड़ों में जाटवों और यादवों के खिलाफ नफरत पैदा करके भाजपा मजबूत जनाधार बनाने में कामयाब हुई। इसके बावजूद उसने समय-समय पर अनेक छोटे दलों के साथ गठबंधन किया। इस चुनाव में भी मोदी और योगी को अपशब्द कहने वाले ओमप्रकाश राजभर से भाजपा ने गठबंधन किया। राम का अपमान करने वाले संजय निषाद को साथ लिया। कांशीराम के साथी रहे सोनेलाल पटेल की बेटी अनुप्रिया पटेल के अपना दल के साथ भी भाजपा ने गठबंधन किया। इतने प्रयोग और आक्रामक प्रचार के बावजूद भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। सामाजिक समीकरण, कट्टर हिंदुत्व और पानी की तरह पैसा बहाने के बावजूद भाजपा को उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में क्यों पराजय मिली? दरअसल, विपक्षी इंडिया गठबंधन ने चुनाव प्रचार में संविधान और लोकतंत्र बचाने का मुद्दा जोर-जोर से उठाया। कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय, आरक्षण, समान प्रतिनिधित्व और सम्मान देने का वादा किया। नतीजे जाहिर करते हैं कि विपक्ष के इस एजेंडे का सबसे ज्यादा प्रभाव उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हुआ। इन दो राज्यों ने भाजपा और मोदी के मंसूबों पर पानी फेर दिया। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र देश के सबसे बड़े सूबे हैं। करीब एक चौथाई सीटें इन राज्यों से आती हैं।

मोदी पर आरएसएस का छुपा वार

- जगदीश रत्तनानी

कई ऐसे लोग हैं जो इसमें आरएसएस का दोमुंहापन देखते है और जो मानते हैं कि संघ भाजपा का वैचारिक अभिभावक है एवं उसे उन सभी ज्यादतियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए जो हमने मोदी-युग के दौरान देखी हैं। आखिरकार मोदी आरएसएस की विचारधारा के विद्यार्थी हैं और वे वही ढोल बजा रहे हैं जो संगठन ने उन्हें सिखाया है। बाकी सब जो हो रहा है वह आरएसएस की छत्रछाया में नूरा कुश्ती है और नियंत्रण का अस्थायी बदलाव है।

इस बारे में बहुत कुछ लिखा गया है कि 2024 के चुनावों पर नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का भाषण सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर इशारा करता है। यह कहा जाता है कि भागवत ने उनकी निंदा किए या उनका नाम लिए बिना सब कुछ कह दिया है और अपने इच्छित लक्ष्य के बारे में कोई संदेह नहीं छोड़ा है। आरएसएस प्रमुख ने कहा है कि चुनाव युद्ध नहीं है, दोनों पक्षों को सुनने के लिए एक दृष्टिकोण है और सच यह है कि सेवक वह है जो मयार्दा में रहकर और अहंकार के बिना सेवा करता है। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर में मुद्दों को एक साल से अधिक समय से उपेक्षित किया गया है। समझदारी का इशारा देने वाले इन शब्दों को और किसकी ओर निर्देशित किया जा सकता है? भागवत के बयान के बाद इसे व्यापक रूप से मोदी विरोधी वक्तव्य के रूप में देखे जाने के बाद अज्ञात स्रोतों के माध्यम से संघ ने यह स्पष्ट करना उचित समझा है कि वह उस व्यक्ति के बारे में ऐसा कोई इरादा नहीं रखता है जिसने अभी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है।

कई ऐसे लोग हैं जो इसमें आरएसएस का दोमुंहापन देखते है और जो मानते हैं कि संघ भाजपा का वैचारिक अभिभावक है एवं उसे उन सभी ज्यादतियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए जो हमने मोदी-युग के दौरान देखी हैं। आखिरकार मोदी आरएसएस की विचारधारा के विद्यार्थी हैं और वे वही ढोल बजा रहे हैं जो संगठन ने उन्हें सिखाया है। बाकी सब जो हो रहा है वह आरएसएस की छत्रछाया में नूरा कुश्ती है और नियंत्रण का अस्थायी बदलाव है। फिर भी यह विचार है कि आरएसएस के हालिया बयानों में कुछ और भी है, खासकर जब वे भाजपा के चुनावी हार के मद्देनजर आते हैं। इसमें आंशिक रूप से निर्मित और जल्दबाजी में उद्घाटित राम मंदिर के निर्वाचन क्षेत्र में सीट खोना भी शामिल है।

यह देखते हुए कि चूंकि भारतीय जनता पार्टी एक व्यक्ति के हाथों में सिमट गई है और अपने दम पर सोच नहीं सकती है तो इन हालातों में यह चुनाव आरएसएस में कुछ वास्तविक पुनर्विचार के लिए ट्रिगर हो सकते हैं। आज यह आरएसएस की उस दुविधा को सामने ला रहा है कि इसके एजेंडा को नरेंद्र मोदी की सरकार ने पूरा किया है, संघ एक ऐसी सरकार से शक्ति और संसाधन प्राप्त कर सकता है जो अब एक दशक से अधिक समय से पूर्ण नियंत्रण में है लेकिन ऐसा लगता है कि यह उस तौर तरीके को नापसंद कर रहा है जिसे इस प्रक्रिया में मोदी ने अपने चारों ओर बनाया है।

दूसरे शब्दों में कहें तो आरएसएस के नजरिए से नीतियां 'अच्छी' हैं लेकिन उन्हें व्यवहार में लाने वाला व्यक्ति सही नहीं है। संघ के द्वितीय सरसंघचालक एमएस गोलवलकर ने एक बार कहा था कि- आरएसएस कार्यकर्ता की 'असाधारणता' ठीक ऐसी होनी चाहिए कि हर कार्यकर्ता खुद को 'साधारण' माने। आज आरएसएस को भाजपा के एक ऐसे प्रधानमंत्री से जूझना होगा जो खुद को इश्वर का भेजा हुआ और गैर-जैविक अवतार बताते हुए स्वयं को प्रधान सेवक कहता है और जो यह कहते नहीं थकता कि वह कितना असाधारण है।

आरएसएस के नजरिए से यह सरल सवाल है कि क्या आपके काम करने के भुगतान की यह बहुत अधिक कीमत है या क्या ऐसा नहीं है? क्या यह आरएसएस की वर्षों पुरानी इच्छाओं के सच होने का स्वर्णिम काल है जिसमें अयोध्या का राम मंदिर, जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाना, अधिकांश राज्यों में गोहत्या पर प्रतिबंध, नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) का एजेंडा, समान नागरिक संहिता की ओर कदम, ट्रिपल तलाक पर प्रतिबंध आदि शामिल है या ये उस सड़ी हुई संस्कृति के 'उपहार' हैं जो एक ऐसी पार्टी में अंतर्निहित हो गई है जिसने हमें चुनावी बांडों में देखा गया भ्रष्टाचार, लोकतांत्रिक संस्थानों पर कब्जा, भारत की प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में गिरावट, गैर-भाजपा सरकारों को तोड़ने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग और यह सब कुछ अगर बढ़ती संपत्ति और आय असमानता को लेकर है जो राष्ट्र की गर्म बहस बनने और बने रहने का वादा करता है?

आज का इतिहास

- 1520 : फ्रांस और इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1556 : सिखों के गुरु श्री हरगोविंद सिंह जी का जन्म।
- 1674 : छत्रपति शिवाजी महाराज (शिवाजी राजे भोंसले) का रायगढ़ के किले में राज्याभिषेक।
- 1808 : नेपोलियन बोनापार्ट के भाई जोसफ को स्पेन का राजा बनाया गया।
- 1882 : न्यूयार्क के हेनरी डब्ल्यू सिले ने इलेक्ट्रिक आयरन का पेटेंट लिया।
- 1916 : अमेरिका के ईस्ट क्लीवलैंड में महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया गया।
- 1919 : फिनलैंड ने बोलशेविक के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1926 : मिस्र में एडली पाशा के नेतृत्व में सरकार बनी।
- 1929 : प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, निर्माता एवं निर्देशक सुनील दत्त का जन्म।
- 1944 : नाजी सेना के फायरिंग दस्ते ने 96 कैदियों की हत्या की।

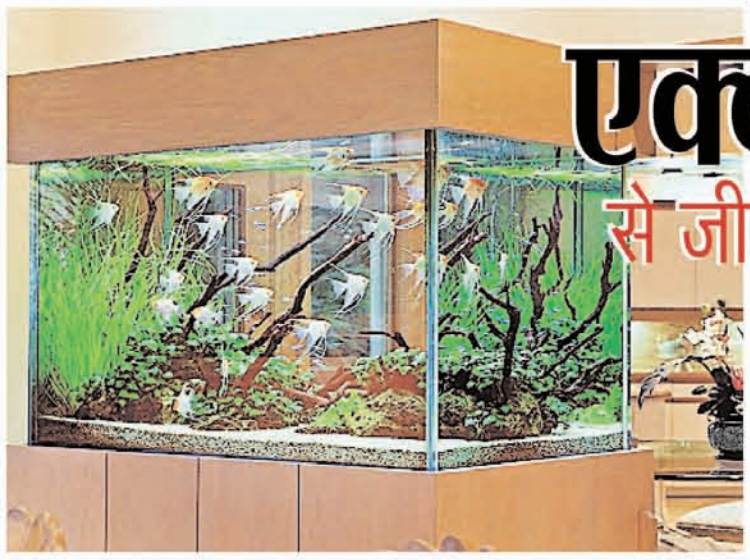

एक्वेरियम से जीवंत हो उठता है घर का माहौल

रंग-बिरंगी मछलियों का सुंदर सा एक्वेरियम ड्राइंग रूम में रखा हो, तो माहौल जीवंत हो उठता है। घर में एक्वेरियम रखना सिर्फ एक शौक नहीं, बल्कि अब यह एक आम बात हो गई है। कई बार घर में एक्वेरियम रखने या मछलियां पालने को लेकर लोग आशंकित भी रहते हैं। उन्हें लगता है कि एक्वेरियम रखना वास्तु और घर की सुख एवं समृद्धि के लिहाज से ठीक नहीं है, लेकिन इस तरह के मिथक पर भरोसा करने पर आपका शौक मिट्टी में मिल सकता है। घर में एक्वेरियम रखने की चाहत रखते हैं, तो आशंकाओं से उबरना जरूरी है।

खर्चीला शौक

एक आम धारणा है, कि फिश टैंक का रख-रखाव काफी खर्चीला है। यह बात सही नहीं है। वास्तव में एक्वेरियम जितना बड़ा होगा, उसका रख-रखाव उतना ही आसान होता है। फ्रेश वाटर में रहने वाली मछलियों का रख-रखाव बेहद आसान है और यह ज्यादा खर्चीला भी नहीं है। फ्रेश वाटर में रहने वाली मछलियां नई परिस्थितियों में आसानी से ढल भी जाती हैं। फ्रेश वाटर टैंक के रख-रखाव की बात करें, तो फिश फूड, पर्याप्त लाइटिंग और फिल्टरिंग का ध्यान रखना जरूरी है और इन चीजों का खर्च बेहद कम होता है।

छोटा नहीं बड़ा टैंक

अगर आप एक्वेरियम रखने जा रहे हैं, तो छोटे टैंक से शुरुआत करना गलत है। छोटे टैंक का रख-रखाव मुश्किल होता है। बड़े टैंक का रख-रखाव आसान होता है और इसमें मछलियों की मृत्यु दर भी कम होती है। किसी बॉल में फिश (खासतौर पर गोल्ड फिश) रखना सबसे खराब आइडिया है। चहलकदमी करने का स्पेस बॉल में कम होता है। ऐसे में मछलियों की मौत हो सकती है।

टैंक वाटर बदलने का झंझट

कई लोगों को लगता है कि हर रोज एक्वेरियम का पानी बदलना एक बड़ा झंझट है। जबकि ऐसा नहीं करना होता, क्योंकि हर रोज पानी बदलने से मछलियों की मौत हो सकती है। पानी में मौजूद बैक्टिरिया मछलियों को जिंदा रहने में मददगार होते हैं। इसलिए टैंक का पानी पूरी तरह नहीं बदलना चाहिए। सप्ताह में एक बार सिर्फ 10-20 प्रतिशत पानी ही बदलने की जरूरत होती है। अगर फिल्टरेशन सिस्टम है, तो एक महीने के अंतराल में 30-50 प्रतिशत तक पानी बदल सकते हैं।

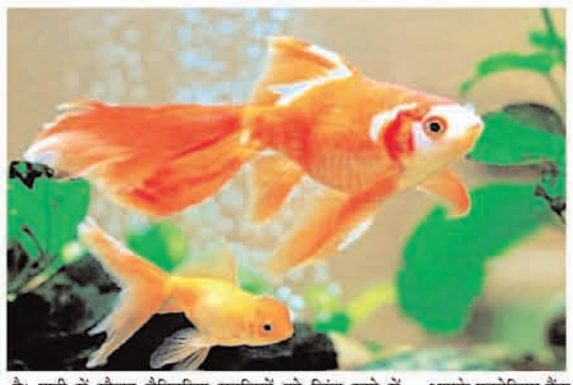

नेचुरल एन्वायरमेंट नहीं

किसी पेट शॉप में मिलने वाली मछलियां प्राकृतिक आवास से नहीं लाई जाती, बल्कि इन मछलियों की ब्रीडिंग नियंत्रित वातावरण में होती है। प्राकृतिक आवास में इन मछलियों के लिए जिंदा रहना आसान नहीं होगा। अगर किसी तालाब या फिर नदी में इन मछलियों को डाल दिया जाए तो वो दूसरी मछलियों की आसान शिकार बन सकती हैं।

कैटफिश टैंक रखती है क्लीन

अगर टैंक में काई है, तो इसे साफ करना पड़ता है, क्योंकि मछली टैंक की सफाई नहीं करती। ऐसे में संभावना कम ही है कि कैटफिश आपके एक्वेरियम टैंक को साफ रखेगी।

ज्यादा आबादी नहीं

यह समझना सही नहीं है कि टैंक में मछलियों की अधिक संख्या नुकसानदायक हो सकती है। इतना जरूर समझ लें कि मछलियों को अपने उत्सर्जित अपशिष्ट को मैनेज करना होता है। ऐसा नहीं होगा, तो अपशिष्ट जहर बनकर मछलियों की जान ले सकता है। इसलिए निर्धारित मात्रा में पानी की उपलब्धता और तय समय पर पानी बदलना एक्वेरियम की मछलियों की सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

आपके घर को प्रदूषण मुक्त बना सकता है ये प्लांट

हाल ही में एक स्टडी में पता चला है कि घर में बदलाव लाने वाले पौधे पोथोस आईवी को घर में लगाने से प्रदूषित हवा से बचा जा सकता है। इसके साथ-साथ ये पौधे घर में बेंजीन और क्लोरोफॉर्म को खत्म कर देता है, क्योंकि इससे कैंसर होने का खतरा भी बना रहता है।

इन पौधे से आपको एक प्रोटीन भी मिलता है, जिसे पी450, 2ई1 या 2ई1 के नाम से जाना जाता है। यह ट्रांसफॉर्मेशन कंपाउंड्स से मोलेक्युल्स को बदलने में मदद करते हैं। इससे वो खुद अपनी ग्रोथ को भी बढ़ाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के प्रोफेसर स्टुअर्ट स्ट्रांड के मुताबिक, लोग वास्तव में घरों में इन खतरनाक कंपाउंड्स के बारे में बात या फिर इसे बाहर करने के लिए कुछ नहीं करते हैं।

स्टडी के लिए टीम ने ऐसे पौधे को टेस्ट भी किया और इसे प्रदूषित हवा से पोथोस आईवी का मुकाबला कराया। उन लोगों ने दो ग्लास ट्यूब में प्लांट को रखा और फिर उन्होंने बेंजीन और क्लोरोफॉर्म को भी मिलाया। इसे परिवर्तन करने वाले प्लांट में 11 दिनों के भीतर ही पाया कि ट्यूब काफी प्रदूषित हो गया। वहीं, पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रकाशित एक और रिसर्च में देखने को मिला कि बिना किसी बदलाव लाने वाले पौधों को ट्यूब में डाला गया, लेकिन, इनमें कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिला है। हालांकि, परिवर्तन होने वाले पौधों को जब घरों में लगाया गया तो इससे तीन दिन के भीतर ही 82 फीसदी प्रदूषित हवा साफ हो गई।

शास्त्रों में अमांगलिक माने गए हैं कुत्ते

जानें श्वान से जुड़े अपशकुन और उपाय

शास्त्रों के अनुसार उल्लू एवं कबूतर की भांति ही कुत्ते भी यम के दूत माने गए हैं और अमांगलिक हैं, जिनसे सावधान होकर पितृलोक में मृतात्माओं के जाने के लिए कहा गया है। ये दूसरों के प्राण भक्षण कर तृप्त होते हैं। श्वान को यमराज से जोड़ा गया है अतःअशुभ है।

ऋग्वेद में एक स्थान पर जघन्य शब्द करने वाले श्वानों का उल्लेख मिलता है, जो विनाश के लिए आते हैं। अतः श्वानों की आवाज को जघन्य माना गया है तथा इनका देखना भी अमांगलिक समझा गया है, क्योंकि मृतात्माओं को इनकी दृष्टि से बचाने के लिए सावधान किया गया है। सूत्र-ग्रंथों में भी श्वान को अपवित्र माना गया है। इसके स्पर्श एवं दृष्टि से भोजन अपवित्र हो जाता है। इस धारणा का कारण भी श्वान का यम से संबंधित होना है। श्वान का गृह के चारों ओर घूमते हुए क्रंदन करना अपशकुन या अद्भुत घटना कहा गया है और इसे इंद्र से संबंधित भय माना गया है। अतः श्वान के संबंध में वैदिक साहित्य में अपशकुनसूचक होने की ही प्रबल धारणाएं पाई जाती हैं, किंतु ईरान में श्वान के प्रति शुभ शकुनसूचक भावनाएं पाती जाती हैं।

करें ये उपाय

- भारत में भी श्वान को गुरु ग्रह से संबंधित माना गया है।
- शनि की प्रसन्नता के लिए भी काले कुत्ते को नियमित रोटी देना शुभ माना जाता है।
- भैरों देवता को प्रसन्न करने के लिए भी इन्हें रोटी खिलाने का प्रावधान है।

इस मंदिर में स्थित मां लक्ष्मी की मूर्ति दिन में तीन बार बदलती है रंग

हमारे देश में कई सारे प्राचीन मंदिर स्थित हैं। लगभग हर प्राचीन मंदिर से कोई न कोई चमत्कार जुड़ा है, जो आपको सोचने पर मजबूर कर देता है। ऐसे ही एक मंदिर के बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं। इस मंदिर में स्थित मां लक्ष्मी की मूर्ति दिनभर में तीन बार अपना रंग बदलती है।

जी हां, ये चमत्कारिक मंदिर स्थित है मध्यप्रदेश के जबलपुर में। ये स्थान पचमठा मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि यह स्थान देशभर के तांत्रिकों के लिए तंत्र साधना का विशेष केंद्र माना जाता है। इस मंदिर के चारों तरफ श्रीयंत्र की विशेष संरचना बनी हुई है। इतना ही नहीं इस मंदिर में स्थित मां लक्ष्मी की प्रतिमा आज भी दिन में तीन बार रंग बदलती है।

बताया जाता है कि इस पचमठा मंदिर का निर्माण लगभग 11 सौ वर्ष पूर्व हुआ था। इस पचमठा मंदिर की एक और विशेष बात यह है कि यहां पर आज भी सूरज की पहली किरण मां लक्ष्मी के चरणों में पड़ती है। यहां पर प्रतिदिन मां लक्ष्मी की प्रतिमा का रंग तीन बार परिवर्तित होता है। प्रातः काल के समय प्रतिमा का रंग सफेद, दोपहर में पीला और शाम को नीला हो जाता है। शुक्रवार के दिन इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रहती है।

कहा जाता है कि, सात शुक्रवार तक यहां पर मां लक्ष्मी के दर्शन करने से आपकी मनोकामना पूरी होती है। पचमठा मंदिर के पास एक तालाब भी है, जिसे अधारताल तालाब के नाम से जाना जाता है। इस तालाब का निर्माण रानी दुर्गावती के विशेष सेवापति रहे दीवान अधार सिंह ने बनवाया था। पचमठा मंदिर में दिवाली के दिन देशभर से लोग मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने पहुंचते है। दिवाली की रात पचमठा मंदिर के कपाट पूरी तरह खोल दिए जाते हैं और पूरे मंदिर को दीपक से प्रज्वल्लित कर दिया जाता है। ये दृश्य बेहद मनमोहक और अद्भुत होता है।

भारतीय संस्कृति का हिस्सा है नमस्कार

नमस्कार हमारी संस्कृति का हिस्सा है। नमस्कार सदियों से हमारी जीवन शैली से जुड़ा हुआ है, जिसे हम आज की स्थिति में कम इस्तमाल करने लगे हैं।

पश्चिमी देशों की संस्कृति को हम इस कदर आंख बंद करते हुए अपनाते जा रहे हैं, कि हमें अपनी सस्कृति के वास्तविक मायने ही भूलते जा रहे हैं। एक-दूसरे के हाथ में हाथ मिलाकर हेल्लो हाय बोलने से काफी बेहतर नमस्कार करना होता है। नमस्कार के पीछे कोई रूढ़िवादी सोच नहीं है। इसके पीछे वैज्ञानिक दृष्टि है, जिसे समझ कर इसे अपने जीवन में सभी लोगों को अपनाना चाहिए।

नमस्कार करने का तरीका

आराम से सीधे खड़े रहो। दोनों हाथों के पंजे छाती के पास लाकर हाथों के पंजों को मिला दो। ये हाथों के पंजों को थोडा टेढ़ा रखते हुए छाती के पास हो। उंगलियों से उंगलियां मिलना चाहिए। नमस्कार करते वक्त हाथों में कुछ समान नहीं पकड़ना चाहिए। मन में कोई भी दूर भाव नहीं लाना चाहिए। नमस्कार करते वक्त शरीर को न तो सख्त रखे न ही पूरा ढीला। भगवान हो चाहे अच्छा बुरा इंसान को नमस्कार, करते वक्त गुस्सा नहीं करना चाहिए। नमस्कार करते वक्त शरीर को हिलाना नहीं चाहिए और पैरों को बहुत दूर भी नहीं रखना चाहिए।

अगर शरीर के इन खास हिस्सों पर है तिल तो बहुत लकी हैं आप

शरीर के अंगों पर तिल का मतलब

आमतौर पर हर किसी को शरीर के किसी न किसी हिस्से पर तिल जरूर रहता है। गाल पर तिल होने को लोग सुंदरता से जोड़कर देखते हैं। इसी तरह शरीर के अंगों पर तिल का अपना ही महत्व होता है। कुछ तिल लोगों के लिए शुभ माने जाते हैं तो कुछ अशुभ। वैसे तो शरीर के अंगों पर तिल का अपनी ही महत्व होता है, लेकिन कुछ तिल उस इंसान के लक्की होने का सबूत होते हैं। आपने अक्सर लोगों को कहते सुना होगा कि जिसकी हथेली में तिल होता है और वो मुट्ठी में बंद हो जाए तो उसके पास बहुत पैसे आते हैं। सामुद्रिक शास्त्र पर गौर करें तो शरीर पर तिल होना तो कोई खास अंतर नहीं डालता, लेकिन वह शरीर के किस अंग पर है, ये बात बहुत अहम होती है।

हथेली पर तिल

समुद्रशास्त्र के अनुसार, हथेली पर तिल वाले लोग बहुत ही किस्मत वाले होते हैं। ऐसे लोगों को हर काम में तरक्की मिलती है। कभी हारने न मानने वाले इस तिल के लोग अपनी मेहनत से हर मुकाम हासिल कर लेते हैं और ऐसे लोग अमीर भी बन जाते हैं।

नाक पर तिल

ऐसे लोग सुंदर होने के साथ-साथ नखराले भी होते हैं। इन लोगों को छोटी-छोटी बात पर गुस्सा आता है। स्वभाव से नखराले होने के बावजूद भी इस तिल के लोग बहुत भाग्यशाली होते हैं। ये जो चाहते हैं, इन्हें मिल जाता है।

जरा ध्यान से देख लीजिए कहीं आपकी भी तो नाक पर तिल नहीं है।

ठोड़ी पर तिल

जिन लोगों के ठोड़ी पर तिल होता है वो सुंदर होने के साथ ही स्वभाव से काफी शांत होते है। ऐसे लोग हर बिगड़े हुए काम को आसानी से सुलझा लेते हैं। ऐसे लोग अपनी मधुर वाणी का लाभ हमेशा उठाते हैं। ऐसे लोग बहुत भाग्यशाली होते हैं, उन्हें जीवन में दौलत और खुशियां मिलती हैं।

पीठ पर तिल

जिन लोगों के पीठ पर तिल मौजूद होता है वो स्वभाव से बेहद रोमांटिक होते हैं। अक्सर घूमने-फिरने के बारे में सोचने वाले इस तरह के लोगों की हर इच्छा पूरी होती है। इन लोगों के मन की इच्छा बिना मेहनत के ही पूरी हो जाती है, तो हुए न ये लोग लकी, क्योंकि मेहनत से हर किसी को बहुत कुछ हासिल हो सकता है, जिसे बिना मेहनत के मनचाही चीज मिल जाए वो वाकई में लकी होता है।

पैर के अंगूठे में तिल

जिन लोगों के पैर के अंगूठे पर तिल होता है, उन्हें कभी पैसों की कमी नहीं होती। इसके अलावा समाज में प्रतिष्ठता के मामले में भी ऐसे लोग लकी होते हैं। पैर के अंगूठे पर तिल होना सौभाग्यशाली माना जाता है।

नाभि के पास तिल

समुद्रशास्त्र के अनुसार आपकी नाभि के पास तिल है, तो यह आपके लिए बहुत ही शुभ फलदायी है। ऐसे तिल का होना आपके लिए सुख समृद्धि का सूचक है।

तो आज ही आप चेक कर लीजिए, की आपके शरीर के किन-किन हिस्सों पर तिल है और उस तिल का क्या महत्व है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि आप मेहनत करना छोड़ दें।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

चिल्लाओ झगड़ा करो... क्या

देवोलीना भट्टाचार्जी

ने बिग बॉस में नजर आने वाली वड़ा पाव गर्ल पर कसा तंज?

देवोलीना भट्टाचार्जी उन एक्ट्रेसेज में से हैं जो इंडस्ट्री, पॉलिटिक्स जैसे मुद्दों पर अपनी बात खुलकर रखती हैं। उन्हें कई टीवी शोज में देखा जा चुका है। पॉपुलर शो साथ निभाना साथिया में उन्होंने जिया मानेक को गोपी बहू के किरदार से रिप्लेस किया था और खूब फेमस हुई थीं हाल ही मे एक्ट्रेस ने टीवी के सबसे कंट्रोवर्सियल शो बिग बॉस पर अपनी राय दी है। एक्ट्रेस ने शो पर कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने वाली वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित पर तंज कसा है।

देवोलीना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में ये बात शेयर करते हुए अपनी भड़ास निकाली। देवोलीना ने लिखा, बहुत से लोग मुझसे पूछते हैं कि बिग बॉस में कैसे आ सकते हैं। इसके लिए क्या करना पड़ता है? कहां ऑडिशन देना पड़ता है? तो इसका जवाब मिल गया है।

देवोलीना ने किस पर साधा निशाना

देवोलीना ने कहा कि वैसे हमारे टाइम पर ऐसा नहीं होता था। लेकिन अब वक्त और फीलिंग्स दोनों बदल गए हैं। फिलहाल ये चल रहा है कि झगड़ा करिए, 1-2 थप्पड़ मारिए, हो सकता है कि पुलिस भी जाना पड़ जाए तो इससे पब्लिसिटी भी होगी। अभी की कंडीशन को देखकर ये बात कंफर्म की जा सकती है। इसके बाद खुद को वायरल कीजिए। ब्लॉगर्स को बुला लीजिए अपना ब्लॉग बनवाइए।

उन्होंने आगे कहा मैं इस बात को पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं कि अगर आप एक महीने तक स्ट्रीट पर रहते हैं, लोगों से झगड़ा करते हैं, बहस करते हैं तो आप पक्का पुलिस स्टेशन पहुंच जाएंगे। यही पब्लिसिटी है। इतना सब करने के बाद जब लोग आपको गाली देने लगें तो समझ जाना कि बिग बॉस से आपको बुलावा मिल सकता है।

क्यों वायरल है वड़ा पाव गर्ल

वैसे तो देवोलीना ने यहां पर किसी का भी नाम नहीं लिया है लेकिन लोग ऐसा अंदाजा लगा रहे हैं कि वो वड़ा पाव गर्ल पर टारगेट कर रही हैं। वड़ा पाव गर्ल को दिल्ली की स्ट्रीट्स पर वड़ा बेचते हुए देखा जाता है। बड़ा पाव गर्ल के नाम से वायरल चंद्रिका दीक्षित उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में स्टॉल लगाकर वडा पाव बेचती हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वो स्थानीय लोगों के साथ झगड़ा कर रही थीं।

जूनियर NTR ने जो RRR में किया, राम चरण अगली फिल्म में कुछ वैसा ही गेम करने जा रहे!

एस.एस राजामौली की ऋऋऋने दुनियाभर से झामफाड़ कमाई की. जूनियर एनटीआर और राम चरण की जोड़ी आई और छा गई. दोनों सुपरस्टार्स को लेकर तभी से फैन्स के बीच तगड़ा बज बना हुआ है. इस साल दोनों मेगा बजट फिल्मों के साथ कमबैक करने वाले हैं. जहां जूनियर एनटीआर की 'देवरा' आ रही है, तो वहीं दूसरी ओर राम चरण की 'गेम चेंजर' का काम लगभग पूरा होने वाला है. दोनों फिल्मों का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. राम चरण के खाते में इस वक्त कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं. 'गेम चेंजर' की शूटिंग खत्म करने के बाद वो बुची बाबू की फिल्म पर काम शुरू कर देंगे. इस फिल्म का टाइटल अबतक अनाउंस नहीं किया गया है, फिल्म को ऋष्ट16 कहकर बुलाया जा रहा है.इस फिल्म में राम चरण के साथ जान्हवी कपूर नजर आने वाली हैं. बीते दिनों पता चला था कि, फिल्म में विलेन के लिए बॉबी देओल के नाम पर चर्चा चल रही है. फिल्म में राम चरण का लुक पूरी तरह से बदलने वाला है, जिसके लिए मेकर्स ने भारी-भरकम बजट रखा है. इसी बीच उनके रोल को लेकर बड़ा अपडेट आ गया है.

अगली फिल्म में कैसा होगा राम चरण का रोल ?

राम चरण 'गेम चेंजर' की शूटिंग पूरी करने के बाद से ब्रेक पर हैं. अबतक फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस नहीं की गई है. पर इसी बीच राम चरण ने अपनी अगली फिल्म के लिए खुद को तैयार करना शुरू कर दिया है, जो एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है. तेलुगु 360 डॉट कॉम में एक रिपोर्ट छपी है. इससे पता लगा कि, एक्टर एथलीट का किरदार निभाने वाले हैं. फिल्म उत्तरांधरा रीजन के बैकड्रॉप पर बन रही है. इसका डायरेक्शन बुची बाबू करेंगे. वहीं, वृद्धि सिनेमा, मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स इस बड़े बजट की फिल्म को प्रोड्यूस करने वाले हैं.

रिपोर्ट से मिले नए अपडेट के मुताबिक, राम चरण फिल्म में एक आदिवासी खिलाड़ी का किरदार निभाते नजर आएंगे. पिक्चर में जान्हवी कपूर लीड रोल कर रही हैं. दरअसल इस पिक्चर के लिए राम चरण का तगड़ा ट्रांसफॉर्मेशन होने वाला है. इस बदलाव के बाद फिल्म की अगस्त में शूटिंग शुरू होगी. इसके लिए वो ऑस्ट्रेलिया में ट्रेनिंग लेने वाले हैं.

शाहरुख खान ने छोड़ी Don 3, फरहान अख्तर ने उससे भी बड़ी फिल्म बनाने की प्लानिंग कर ली!

शाहरुख खान नाम ही काफी है. बीते साल बॉक्स ऑफिस पर किंग खान ने जो भौंकाल काटा, उसके आसपास भी कोई नहीं आ पाया. 'पठान', 'जवान' और 'डंकी'ज तीनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर झामफाड़ कमाई की थी. इस वक्त वो अपनी अपकमिंग फिल्मों में बिजी हैं. कई बड़ी पिक्चर उनके खाते में हैं. पर सबसे पहले 'किंग' की शूटिंग खत्म करेंगे. इसी बीच किंग खान फिर से चर्चा में आ गए हैं. इस बार वजह है ष्ठह्रह्. जब से फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' का अनाउंसमेंट किया है, तभी से फैन्स उनसे नाराज हैं. लोगों का सवाल था कि, आखिर क्यों तीसरे इंस्टॉलमेंट में शाहरुख खान की वापसी नहीं हुई? पर अब फरहान अख्तर ने फैन्स की बात मान ली है और बड़ा अपडेट दे दिया है.'डॉन' का नाम आते ही जुबां पर सबसे पहले शाहरुख खान का नाम आ जाता है. ऐसा होना लाजमी भी है, क्योंकि डॉन बनकर जब वो कहते हैं- डॉन के सामने आदमी के पास दो ही विकल्प हैं या तो आज्ञा का पालन करें, या मर जाएंज फिल्म को गजब का रिस्पॉन्स मिला था. पर अब फरहान अख्तर की शाहरुख खान के साथ क्या प्लानिंग हैं, उन्होंने बता दिया है.

शाहरुख खान संग फरहान अख्तर की प्लानिंग

हाल ही में फरहान अख्तर ने पिंकविला से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने शाहरुख खान के डॉन फ्रैंचाइजी से बाहर होने से निराश फैन्स को बड़ा हिंट दिया है. उन्होंने बताया कि, जल्द ही वो शाहरुख खान के साथ कुछ बड़ा करने की प्लानिंग कर रहे हैं.

इस दौरान फरहान अख्तर ने फैन्स से वादा किया कि, वो 100 प्रतिशत शाहरुख खान के साथ जल्द किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे. दरअसल 'डॉन 3' में रणवीर सिंह को लीड रोल के लिए फाइनल किया गया है. उनके साथ कियारा आडवाणी नजर आएंगी. पर ऐसी खबरें थीं कि, मेकर्स पहले फिल्म में रणबीर कपूर को लेना चाहते थे. पर उन्होंने इस रोल को करने से इनकार कर दिया. ऐसे में उन्हें रणवीर सिंह को फाइनल करना पड़ा. फिल्म की साल 2025 से शूटिंग शुरू की जाएगी. फिलहाल प्री-प्रोडक्शन पर काम चल रहा है.

ऋचा चड्ढा

ने मिर्जापुर का ट्रेलर देख गुड्डू भैया की खींची टांग, कहा- अब बच्चे को...

प्राइम वीडियो की मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज मिर्जापुर के तीसरे सीजन का इंतजार अब जल्द ही खत्म होने वाला है। दो सीजन लगातार सुपरहिट होने के बाद अब फैंस इसके तीसरे सीजन में फिर से कालीन भैया और गुड्डू पंडित का भौकाल देखने का इंतजार कर रहे है। गुरुवार को इसका ट्रेलर जारी किया गया।मिर्जापुर 3 के ट्रेलर को लोगों से अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिला। अब इस पर अली फजल की पत्नी और एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने भी अपना रिएक्शन दिया है। एक्ट्रेस ने इसे देखने के बाद अपने पति की तारीफ की है।

ऋचा चड्ढा ने कही ये बात

ऋचा चड्ढा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर मिर्जापुर 3 का ट्रेलर शेयर किया है। इसके शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा कि तो आज ये आ गया, है न गुड्डू। कम से कम अगर बच्चे को पता चले कि शादी की तस्वीरों में डैडी के बाल छोटे क्यों थे, जबकि अब वो लंबे बाल रखते हैं।

ऋचा ने की अली फजल की तारीफ

इसके आगे पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा कि क्या मैं देख पाऊंगी। तुम इसमें अविश्वसनीय लगोगे। वैसे भी मैंने देखा कि तुम कितनी मेहनत करते हो।

क्या था सीरीज के ट्रेलर में

मिर्जापुर 3 के ट्रेलर में देखने को मिला था कि कैसे एक बार फिर भौकाल मचाने गुड्डू भैया वापस मिर्जापुर आते हैं। इसके साथ ही इसमें बिना त्रिपाठी का भी एक अलग ही किरदार देखने को मिलने वाला है। सिर्फ इतना ही नहीं, इस बार कई और चीजें इसके तीसरे सीजन में बदल जाने वाली है इसके आगे ट्रेलर में देखने को मिला था कि गुड्डू पंडित को जेल हो जाती है और उसके पिता ही अपने बेटे के खिलाफ हो जाते हैं। ऐसे में अब इसका तीसरा सीजन और भी मजेदार होने वाला है। बता दें कि वेब सीरीज मिर्जापुर 3 ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर 5 जुलाई को स्ट्रीम होने वाली है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक अनिल कुमार जम्वाल द्वारा ग्राम शाहल, डाकघर भौंट, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं सिग्मा प्रिंटर, ब्लॉक नं.6, शॉप नं. 170, एसडीए कॉम्पलेक्स, कसुम्पटी, शिमला-171009 से मुद्रित। संपादक: अनिल कुमार जम्वाल। हिमालयन अपडेट से संबंधित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 7018631199। email: himalayanupdate@gmail.com